▪ आश्विन कृष्णा - 4 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 60 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 22-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सामाजिक एकजुटता के बिना मिलती रहेगी राष्ट्रीय एकता को चुनौती : योगी आदित्यनाथ

6 से. लेटिनेंट अरुण खेत्रपालः बलिदान होने से पहले दुश्मन के 10 टैंकों को धूल में मिला दिया

7 विक्रांत मैसी की 'द साबरमती रिपोर्ट' अब 15 नवंबर को रिलीज होगी

हम पाकिस्तान को गोलियों का जवाब तोप के गोले से देंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंढर/एजेन्सी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया पाकिस्तान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डर से जम्मू सीमा पर संघर्षविराम का उल्लंघन नहीं कर पा रहा है और, अगर वह भारतीय सेना पर एक भी गोली चलाता है, तो उसका जवाब तोप के गोले से दिया जायेगा। जम्मू क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के लिए राजनीतिक प्रचार शुरू करने के बाद से यह पहली बार है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने भाषण में पाकिस्तान पर हमला किया है।

शाह ने आज जम्मू क्षेत्र के मेंढर इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सीमाएं खामोश हैं और मेंढर तथा अन्य सीमावर्ती जिलों के लोग शांति से रह रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान को सीमा पर किसी भी तरह की दुस्साहस न करने की चुनौती देते हुए कहा, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के समय में, इस क्षेत्र में सीमा पार से लगातार गोलाबारी होती थी। गोले की गर्जना बंद हो गई है, क्योंकि पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से डर गया है। अगर पाकिस्तान गोली चलाकर कोई शरारत करता है तो हम तोप के गोले से जवाब देंगे।

▪ **अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी (कांग्रेस) परिवारों पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि ये तीन परिवार 40,000 लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं।**

शाह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए डॉ.अब्दुल्ला को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, वर्ष 1990 से यह जगह आतंकवाद के खतरे से तबाह हो गई है। नेकां, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस के शासन में पहाड़ी, गूजर और बकरवाल अपने अधिकारों से वंचित थे। उन्होंने कहा कि नेकां प्रमुख युवाओं के हाथों में बंदूकें देकर उनका भविष्य बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा,हम पुलिस, सेना और अन्य बलों में भर्ती के जरिए पहाड़ी, गूजर और बकरवाल के हाथों में बंदूकें देंगे ताकि वे पूरी ताकत से आतंकवाद से लड़ सकें और अपनी मातृभूमि को बचा सकें। शाह ने कहा, मैं आपको बता दूं कि अगर डॉ. फरूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला खुद को उल्टा भी कर लेंगे, तो भी हम पहाड़ी आरक्षण नहीं करेंगे। हम पहाड़ी, गुज्जर और बकरवाल को पदोन्नति में आरक्षण देंगे।

अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी (कांग्रेस) परिवारों पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि ये तीन परिवार 40,000 लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, इन तीन परिवारों की वजह से ही जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक पंचायत, बीडीसी और डीडीसी चुनाव नहीं हुए।

फर्स्ट टेक

लंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 37 मछुआरों को हिरासत में लिया

नागापट्टिनम (तमिलनाडु)/एजेन्सी। श्रीलंकाई नौसेना ने कथित तौर पर अपने जल क्षेत्र में भटकने और गैरकानूनी मछली पकड़ने की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में शनिवार शाम को राज्य से 37 भारतीय मछुआरों को पकड़ लिया और तीन मशीनीकृत मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर और एक देशी नाव जब्त कर ली। प्रारंभिक रिपोर्टों में आज रात यहां कहा गया कि तमिलनाडु के नागापट्टिनम और मयिलादुथुराई जिलों के मछुआरों को तब गिरफ्तार किया गया, जब वे कथित तौर पर पाक जलडमरूमध्य के पास डेल्फ़्ट द्वीप के पास ऊंचे समुद्र में मछली पकड़ रहे थे।

स्वयंभू बाबा दाती महाराज के खिलाफ बलात्कार का आरोप तय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा दाती महराज और उनके दो भाइयों अशोक एवं अर्जुन के खिलाफ दुष्कर्म, आप्राकृतिक यौन संबंध बनाने और आपराधिक धमकी देने का आरोप तय कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (विशेष त्वरित अदालत) नेहा की ऑनलाइन दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, ''आरोप पर आदेश पारित किया गया और तदनुसार आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप तय किए गए।'' इस बीच, अदालत ने मामले में दाती के एक अन्य भाई अनिल को आरोप मुक्त कर दिया। अदालत द्वारा शुक्रवार को आरोप तय किए जाने के बाद आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया है। अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए 18 अक्टूबर की तारीख तय की है।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के तकनीकी सर्वेक्षण का दूसरा चरण शुरू

पुरी/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शनिवार अपराह्न में पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के तकनीकी सर्वेक्षण का दूसरा चरण शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने खजाने के तीन दिवसीय सर्वेक्षण के दौरान भक्तों को अपराह्न एक बजे से शाम छह बजे तक सहोदर देवताओं के 'दर्शन' करने से रोक दिया। सर्वेक्षण के दौरान मंदिर के मुख्य द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने इस मामले में श्रद्धालुओं से सहयोग मांगा। सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए मंदिर में प्रवेश करने वाले रत्न भंडार सूची कमेटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बिश्वनाथ रथ ने कहा, ''एएसआई 21, 22 और 23 सितंबर को सर्वेक्षण करेगा, जिसके दौरान यह पता लगाया जाएगा कि क्या रत्न भंडार के अंदर कोई छिपा हुआ कक्ष अथवा सुरंग है या नहीं।

आतिशी ने ली दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी को उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई। सक्सेना ने यहां राजनिवास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में आतिशी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कांग्रेस की शीला दीक्षित और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सुषमा स्वराज के बाद, आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री हैं। स्वतंत्र भारत में, आतिशी मुख्यमंत्री पद संभालने वाली 17वीं महिला हैं।

नई मंत्रिपरिषद के सदस्य के तौर पर सौरभ भारद्वाज ने सबसे पहले शपथ ली, जिसके बाद गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने शपथ ग्रहण की। सुल्तानपुर माजरा से पहली बार के विधायक अहलावत, दिल्ली मंत्रिमंडल में नया चेहरा हैं।

आतिशी ने अपने पास रखे 13 विभाग, भारद्वाज को आठ विभागों की जिम्मेदारी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री आतिशी ने शिक्षा, राजस्व, वित्त, ऊर्जा और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित 13 विभाग अपने पास रखा है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान भी ये 13 विभाग उन्हीं के पास थे। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री के मंत्रिमंडल में मंत्रियों के बीच विभाग के बंटवारे के प्रस्ताव को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मंजूरी दे दी है। आतिशी के पूर्ववर्ती केजरीवाल के पास कोई विभाग नहीं था। भारद्वाज को पूर्व में केजरीवाल सरकार के दौरान मिले विभागों की जिम्मेदारी दोबारा दी गई है। साथ ही उन्हें सामाजिक कल्याण और सहकारी विभाग का कार्यभार भी सौंपा गया है। भारद्वाज के पास स्वास्थ्य, शहरी विभाग, कला संस्कृति, भाषा, उद्योग, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, पर्यटन विभाग की भी जिम्मेदारी है। उनके के पास आठ विभाग होंगे जो मुख्यमंत्री के बाद सबसे अधिक है।

भाजपा झूठ फैला रही है, मुझे चुप कराना चाहती है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

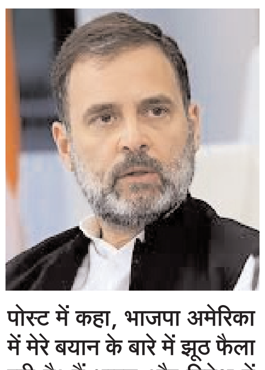

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका में अपने हालिया बयान के बारे में भाजपा पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को सिखों से पूछा कि उन्होंने जो कहा, उसमें क्या कुछ गलत है और क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए, जहां हर भारतीय बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उन्हें चुप कराने के लिए बेताब है, क्योंकि वह सच्चाई बर्दाश्त नहीं कर सकती।

गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा अमेरिका में मेरे बयान के बारे में झूठ फैला रही है। मैं भारत और विदेश में रहने वाले हर सिख भाई-बहन से पूछना चाहता हूं - क्या मैंने जो कहा है उसमें कुछ गलत है? क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए जहां हर सिख - और हर भारतीय - बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके? उन्होंने कहा, हमेशा की तरह, भाजपा झूठ का सहारा ले रही है। वे मुझे चुप कराने के लिए बेताब हैं क्योंकि वे सच बर्दाश्त नहीं कर सकते। लेकिन मैं हमेशा उन मूल्यों के लिए बोलूंगा जो भारत को परिभाषित करते हैं: विविधता में हमारी एकता, समानता और प्रेम।

गांधी ने अमेरिका में दिए गए अपने बयान का एक छोटा वीडियो भी साझा किया, जिसमें वह एक सिख व्यक्ति का जिक्र कर रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी शनिवार को भाजपा द्वारा कई सिख समूहों के संयुक्त बयान का हवाला देते हुए उनसे अपना बयान वापस लेने को कहने के बाद आई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि बयान से देश में भय का माहौल पैदा हो गया है।

एयर मार्शल अमरप्रीत सिंह नए वायु सेवा प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली/एजेन्सी। वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को नया वायु सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन्हें 30 सितंबर से वायु सेना प्रमुख के रूप में एयर चीफ मार्शल के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हें मौजूदा वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी के स्थान पर यह जिम्मेदारी सौंप गई है। एयर चीफ मार्शल चौधरी 30 सितंबर को सेवानिवृत होंगे। 27 अक्टूबर 1964 को जन्मे एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को दिसंबर 1984 में भारतीय वायु सेना के फाइटर पायलट स्ट्रीम में नियुक्त किया गया था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान, उन्होंने विभिन्न कमांड, स्टाफ में काम किया है।

तिरुपति 'लड्डू प्रसादम' मिलावट मामला

जगनमोहन रेड्डी एवं अन्य के खिलाफ हैदराबाद में शिकायत दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रसिद्ध तिरुपति 'लड्डु प्रसादम' में इस्तेमाल किए जाने वाले घी में मिलावट के आरोपों के बाद आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी एवं अन्य के खिलाफ हैदराबाद में एक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें उन पर मंदिर को अपवित्र करने के ''दुर्भावनापूर्ण कृत्य'' और हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।

अधिवक्ता के. करुणा सागर ने प्रयोगशाला की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सैदाबाद पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। सागर ने कहा कि वह इस रिपोर्ट को देखकर हैरान हैं। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच करने के साथ ही श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को कथित रूप से अपवित्र करने और लाखों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जगनमोहन रेड्डी और अन्य के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाएगा : प्रह्लाद जोशी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू को अपवित्र करने के मुद्दे को गंभीरता से लिया है और इस मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के नंदिनी घी की खरीद रोक दिये जाने के बाद ये आरोप सामने आये हैं।

हिंदू समाज की आस्था का घोर अपमान : विहिप नेता

जयपुर/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता मिलिंद परांडे ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद में 'पशु चर्बी' वाले घी के इस्तेमाल पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह हिंदू आस्था का घोर अपमान है। विहिप के राष्ट्रीय संगठन महासचिव ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, यह हिंदू समाज की आस्था का घोर अपमान है। मंदिर ट्रस्टों पर सरकारी नियंत्रण तथा अन्य आस्थाओं के व्यक्तियों को मंदिर प्रबंधन में जगह देने से ऐसी निंदनीय घटना हुई है। देश में चर्च या मस्जिदें नहीं, केवल हिंदू मंदिर सरकारी नियंत्रण के अधीन हैं।'' परांडे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की मांग है कि हिंदू मंदिरों पर हिंदू समाज का नियंत्रण होना चाहिए, हमारा प्रयास है कि मंदिरों के संचालन में समाज के हर वर्ग की सहभागिता हो तथा मंदिर धर्म व समाज सेवा का केंद्र बने। उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ केंद्रीय कानून बनाने की वकालत करते हुए तुष्टिकरण की नीतियों को रोकने की जरूरत पर भी जोर दिया।

22-09-2024 सूर्यास्त	23-09-2024 सूर्योदय
6:15 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
84,544.31	25,790.95
(+1,359.52)	(+375.15)

सोना	चांदी
7,711 रु.	90,050 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विष बोल

थोड़े से लालच के कारण,
अपवित्र कर रहे क्यों प्रसाद।
मर्यादा करते तार-तार,
फैलाते जन-मन में विषाद।
नेता देते वक्तव्य रोज,
फैलाते नित नूतन विवाद।
फिर से ना हों ऐसी ग़लती,
हों ठोस तरीके अब इजाद।।

प्रधानमंत्री मोदी क्वाड सम्मेलन में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विलमिंगटन (अमेरिका)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने और संयुक्त राष्ट्र में एक प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुंचे।

यात्रा के पहले दिन क्वाड शिखर सम्मेलन से पहले, मोदी का अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से आमने-सामने मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

मोदी ने शिखर सम्मेलन स्थल विलमिंगटन, डेलावेयर पहुंचने के बाद 'एक्स' पर लिखा, मुझे विश्वास है कि दिन भर की चर्चाएं हमारे ग्रह को बेहतर बनाने और प्रमुख वैश्विक चुनौतियों से निपटने में योगदान देंगी।

इससे पहले, भारतीय प्रवासियों के एक बड़े समूह ने फिलाडेल्फिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया, जहां से वह राष्ट्रपति बाइडन के गृहनगर विलमिंगटन गए। मोदी ने पारंपरिक परिधान पहने लोगों के समूह का अभिवादन किया, जिनमें से कई लोगों ने भारतीय तिरंगा थाम रखा था। वह सुरक्षा घेरे में चले, उनमें से कुछ को 'ऑटोग्राफ' दिए और कुछ अन्य से हाथ मिलाया। मोदी ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, फिलाडेल्फिया में जोरदार स्वागत! हमारे प्रवासी समुदाय के आशीर्वाद को हम बहुत संजोकर रखते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीय समुदाय ने अमेरिका में अपनी अलग पहचान बनाई है और विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाला है। उनके साथ बातचीत करना हमेशा खुशी की बात होती है। आइये उन बंधनों का जश्न मनाएं जो हमारे देशों को जोड़ते हैं! विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर कुछ तस्वीरों के साथ साझा की गयी एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक शहर फिलाडेल्फिया पहुंचे। विलमिंगटन, डेलावेयर में द्विपक्षीय और क्वाड प्रारूपों में भागीदारी के साथ एक कामकाज से भरपूर दिन रहेगा। जुड़े रहिए!

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अमेरिका की विशेष यात्रा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत! यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री द्विपक्षीय चर्चा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलेंगे, छठे क्वाड लीडर्स समिट में भाग लेंगे, संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करेंगे और शीर्ष टेक कंपनियों के सीईओ और भारतीय प्रवासियों के साथ कई अन्य महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे।

हिंद-प्रशांत में शांति, स्थिरता के लिए काम करने वाले प्रमुख समूह के रूप में उभरा क्वाड : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने वाले समान विचारधारा वाले एक प्रमुख मंच के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्वाड के शिखर सम्मेलन में भाग लेने और संयुक्त राष्ट्र के एक प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करने के लिए अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होने से पहले यह टिप्पणी की। उन्होंने अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले कहा, ''मैं क्वाड शिखर सम्मेलन में अपने सहयोगियों राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ बैठक करने के लिए उत्सुक हूं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह मंच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने वाले समान विचारधारा वाले देशों के एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है।''

मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति बाइडन के साथ मेरी बैठक हमें अपने लोगों के लाभ और वैश्विक भलाई के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए रास्तों की समीक्षा एवं पहचान करने का अवसर देगी।''

प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से मुलाकात की

विलमिंगटन (अमेरिका)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की और दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। डेलावेयर के विलमिंगटन में स्थित बाइडन के आवास पर बैठक के दौरान, दोनों नेता भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए तरीकों की समीक्षा और पहचान करेंगे।□

सहज स्मृति योग

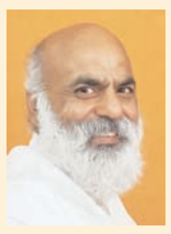

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, वर्तमान समय में विश्व में कुछेक देशों के बीच तो घोषित युद्ध चल ही रहा है, वहीं अन्य अनेक देशों के बीच अघोषित संघर्ष जारी है। मेरा प्रश्न यह है कि, क्या यह कूटनीति की विफलता है ? क्या कूटनीति (डिप्लोमेसी) अध्यात्म सम्मत है?

उत्तर: जब संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच से मानवाधिकारों को विश्व के सभी देशों ने सिद्धांत रूप में पूर्ण सहमति से स्वीकार कर लिया है उसके बाद भी कोई देश युद्ध करते हैं तो यह तो मानवी विफलता है। क्योंकि, जीने का अधिकार तथा प्रताड़ित न किए जाने का अधिकार मानवाधिकारों में शामिल है।युद्ध में इन दोनों अधिकारों का उलंघन होता हुआ दिखता है पर फिर भी यह कूटनीति की विफलता तो नहीं कही जा सकती क्योंकि नीतिज्ञों के पास युद्ध का समाधान है। पर, जब मानवता विफल होती है तो मानव का युद्ध में मध्यस्थता कर शांति स्थापना करने के लिए समाधान लेकर आगे आना किसी भी मध्यस्थ पर भरोसा करना कठिन हो जाता है। इसे पूरे विश्व की दृष्टि से देखें तो मानवी असफलता तथा देश विशेष की दृष्टि से देखें तो ख़ुफ़िया तंत्र की सफलता या असफलता कह सकते हैं।कूटनीति अध्यात्म सम्मत है क्योंकि कूटनीतिज्ञ की मंशा न्याय-पूर्ण ढंग से शांति और शांतिपूर्ण ढंग से न्याय स्थापित करने की होती है। शांति और न्याय दोनों ही आध्यात्मिक क्षेत्र के भाव हैं।

भाजपा जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए प्रतिबद्ध : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुरनकोट (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र ने पिछले 35 वर्षों में आतंकवाद के कारण बहुत नुकसान उठाया है। पुंछ जिले के इस सीमावर्ती शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कथित रूप से आतंकवाद फैलाने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर निशाना साधा तथा कहा कि वर्षों से लोगों के कल्याण के लिए जम्मू-कश्मीर को भेजे गए धन का उपयोग इस खतरे से लड़ने के लिए किया गया।

शाह ने कहा, विधानसभा चुनाव का पहला चरण समाप्त हो चुका है। निश्चित रहें, (एनसी के) फारूक (अब्दुल्ला) और (पीडीपी की) महबूबा (मुफ्ती) अगली सरकार नहीं बना रहे हैं। उन्होंने युवाओं को मजबूर रखा, लेकिन हम चाहते हैं कि हमारे युवा मजबूत बनें। गृह मंत्री ने कहा, ''उन्होंने किताबों और लैपटॉप की जगह युवाओं के हाथों में मशीनगन और पत्थर थमा दिए। हम भी युवाओं को बंदूकें देंगे, लेकिन आतंकवाद फैलाने के लिए नहीं। हम (सीमावर्ती युवाओं के लिए) विशेष भर्ती अभियान चलाएंगे। आतंकवाद के लिए बंदूकें थामने वाले युवा देश की रक्षा करेंगे और पाक से लोहा लेंगे। भाजपा उम्मीदवार सैयद मुश्ताक अहमद बुखारी के लिए वोट मांगते हुए शाह ने कहा, हम जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। बहुत हो गया, अब विकास का समय है। बुखारी पहाड़ी समुदाय को अजजा का दर्जा दिए जाने के बाद फरवरी में भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दशकों तक जम्मू-कश्मीर पर शासन किया जिस वजह से आतंकवाद फैला और इसमें 40,000 लोगों की जान चली गई तथा घाटी 3,000 दिनों तक बंद रही और जम्मू-कश्मीर अंधेरे में डूबा रहा। इन सबके लिए ये दल जिम्मेदार हैं। आतंकवाद का सफाया हो चुका है और किसी को भी इस खतरे को फिर से उत्पन्न करने नहीं दिया जाएगा।

खट्टर ने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा से भाजपा में शामिल होने के लिए कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मनोहर लाल खट्टर ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद कुमारी सैलजा (एक प्रमुख दलित चेहरा) को हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार से दूर रहने की खबरों पर कहा कि सैलजा भाजपा में शामिल हो जाएं। हरियाणा विधानसभा का चुनाव पांच अक्टूबर को होगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की राज्य इकाई में कथित अंदरूनी कलह की ओर भी इशारा किया। खट्टर शुक्रवार शाम घरौंडा में भाजपा उम्मीदवार हरविंदर कल्याण के समर्थन में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''वहां (हरियाणा कांग्रेस में) बहुत अंदरूनी कलह है और उनके मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। पिता और पुत्र (कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा) के बीच लड़ाई है। पिता कहते हैं कि वह मुख्यमंत्री बनेंगे, जबकि बेटा कहता है कि वह बनेगा। उनके अलावा अन्य नेताओं की भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा है।''

खट्टर ने कहा, ''हमारी दलित बहन है... घर पर बैठी है। लोगों का एक बड़ा वर्ग आज सोच रहा है कि उन्हें क्या करना चाहिए। कई लोग उनसे नाराज थे और हम उन्हें पार्टी में ले आए। यदि (वह) आती हैं, तो हम एक प्रस्ताव के साथ तैयार हैं, हम उन्हें पार्टी में शामिल करने के लिए तैयार हैं।'' भाजपा कांग्रेस की राज्य इकाई में कथित गुटबाजी के मुद्दे को लेकर पार्टी पर निशाना साधती रही है। लेकिन कुछ दिन पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा था कि हरियाणा कांग्रेस में कोई असंतोष नहीं है। चिदंबरम ने कहा था, ''मेरी अच्छी दोस्त (कुमारी) सैलजा जी ने (भूपेंद्र सिंह) हुड्डा के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है, न ही हुड्डा ने सैलजा के विरुद्ध एक शब्द कहा है। इसलिए हम एक एकजुट पार्टी हैं। हम चुनाव एकजुट होकर लड़ेंगे।''

प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को पुणे में भूमिगत मेट्रो का उद्घाटन करेंगे: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 सितंबर को पुणे में नई भूमिगत मेट्रो रेल का उद्घाटन करेंगे और एक 'एलिवेटेड रूट' की आधारशिला रखेंगे।

'एलिवेटेड रोड' का निर्माण उन जगहों पर होता है, जहां यातायात अधिक रहता है। यह तकनीकी रूप से एक पुल की तरह होता है। फडणवीस जिले के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अन्य नेताओं के साथ पुणे में थे। फडणवीस ने एक कार्यक्रम में जिले में विकास कार्यों पर बात करते हुए पंढरपुर से पुणे तक चार लेन वाले संत ज्ञानेश्वर महाराज पालखी मार्ग और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग के लिए गडकरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''इस मार्ग का अंतिम चरण जल्द ही शुरू होगा और हम इस पूरी सड़क का निर्माण कार्य समाप्त कर लेंगे। मुझे खुशी और सम्मान की अनुभूति हो रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पालखी मार्ग के लिए इतने सारे निर्णय लिए हैं।''

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 'सिविल कोर्ट' से स्वारगेट तक भूमिगत मेट्रो गलियारे का उद्घाटन करेंगे। वह इस मार्ग को स्वारगेट से कटराज तक विस्तारित करने और पिंपरी चिंचवड से निगडी तक 'एलिवेटेड मार्ग' बनाने की आधारशिला भी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''हम पुणे मेट्रो के लिए नए चरण बना रहे हैं। गणपति उत्सव के दौरान मूर्ति विसर्जन के लिए 3.5 लाख लोगों ने मेट्रो से यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को नए मेट्रो मार्ग का उद्घाटन करेंगे और दूसरे मार्ग का भूमिपूजन करेंगे। आगामी दिनों में पुणे बेहतरीन शहरी आवासीय केंद्रों में से एक बन जाएगा।'' फडणवीस ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पुणे हवाई अड्डे का नाम संत तुकाराम महाराज के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है।

लड्डू विवाद के बाद सुरेश प्रभु ने प्रसाद वितरण स्थलों पर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला बनाने की पैरवी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने तिरुपति लड्डू विवाद के आलोक में 'प्रसाद' की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को उनसभी स्थानों पर एफएसएसएआई द्वारा खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने की मांग, जहां इसका वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि इन परीक्षण प्रयोगशालाओं की लागत वे संगठन आसानी से उठा सकते हैं, जो इतने बड़े पैमाने पर प्रसाद बांटते हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया है कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति के लड्डुओं में पशुचर्बी का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा हो गया। विपक्षी वाईएसआरसीपी ने नायडू पर राजनीतिक फायदे के लिए 'घृणित आरोप लगाने' का आरोप लगाया। वहीं, सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी अपने दावे के समर्थन में प्रयोगशाला की एक रिपोर्ट प्रसारित कर रही है। प्रभु ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' तिरुपति प्रसादम से उत्पन्न मुद्दों के समाधान के लिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन सार्वजनिक स्थानों पर प्रसाद बांटे जाते हैं, वहां एफएसएसएआई इंडिया द्वारा खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की जाए, ताकि आम लोगों/ भक्तों की उम्मीदों के अनुसार प्रसाद वितरण हो और उसकी वांछित गुणवत्ता हो।'' उन्होंने कहा कि प्रसाद में इस्तेमाल सामग्री की बिना बारी के नमूने लेने, परोसे गये भोजन/प्रसाद और परीक्षण रिपोर्ट को वास्तविक समय में स्क्रीन पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा सकता है।

बीस लाख नौकरियां पैदा करना राजग सरकार का इकलौता एजेंडा : नारा लोकेश

विजयवाड़ा/भाषा। आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने शनिवार को कहा कि राज्य में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का इकलौता एजेंडा 20 लाख नौकरियां सृजित करना है। राजग को राज्य में इस साल हुए विधानसभा चुनाव में 93 प्रतिशत सीट के साथ भारी जनादेश मिला है।

'सीआईआई सदर्न रीजनल काउंसिल' 2024-25 के यहां एक विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पांच साल में 20 लाख नौकरियां पैदा करना चुनावों में राजग द्वारा किए गए छह प्राथमिक वादों में से एक था। लोकेश ने कहा, ''यह इकलौता एजेंडा (20 लाख नौकरियां) है जिसके साथ आपकी सरकार आंध्र प्रदेश राज्य में काम करने जा रही है।'' उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य एक लाख करोड़ डॉलर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद हासिल करने वाले पहले तीन राज्यों में से एक बनने की आकांक्षा रखता है। लोकेश ने कहा कि सीआईआई ने हमेशा एक सहयोगी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा अन्य क्षेत्रों के लिए एक हब रहे आंध्र प्रदेश का उद्देश्य अब सूचना प्रौद्योगिकी में तेजी से आगे बढ़ना है। वाई एस जगनमोहन रेड्डी नीत वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार के स्पष्ट संदर्भ में तेदेपा महासचिव ने कहा कि पिछले पांच वर्ष उद्योग के लिए अच्छे नहीं रहे और उन्होंने संकल्प जताया कि नई सरकार विश्वास वापस दिलाने के लिए काम करेगी।

नौसेना के शीर्ष कमांडरों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की युद्धक क्षमता बढ़ाने का फैसला किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के शीर्ष कमांडरों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी युद्धक क्षमता में पर्याप्त बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। भारतीय नौसेना ने यह निर्णय हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल और इस क्षेत्र में दिख रहे भू-राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में लिया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यहां संपन्न चार दिवसीय नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में व्यापक विचार-विमर्श के बाद समुद्री क्षेत्र में देश की युद्धक क्षमता को बढ़ाने का निर्णय लिया गया। कमांडरों को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने तटरक्षक बल और अन्य समुद्री एजेंसियों के साथ घनिष्ठ तालमेल और कार्यात्मक संबंधों के माध्यम से समुद्री सुरक्षा और तट की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में सतर्कता बनाए रखने की जरूरत को रेखांकित किया। नौसेना के अनुसार, एडमिरल ने नौसेना मुख्यालय में कमांड और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वह संतुलित बहुआयामी और निर्बाध नेटवर्क आधारित सेना के रूप में विकसित करना जारी रखें जो राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा करने और इसे बढ़ावा देने समेत जवाब देने के लिए तैयार रहे।

भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के जरिये अपना प्रभुत्व बनाए रखने की कोशिश कर रही : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 'एक देश, एक चुनाव' के जरिये अपने प्रभुत्व को बनाए रखने की कोशिश कर रही है और इस प्रयास का प्रतिकार किया जाना चाहिए।

रेड्डी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी महासचिव दिवंगत सीताराम येचुरी की याद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। येचुरी का हाल में निधन हो गया था। उन्होंने कहा, ''देश राज्यों का संघ है। भाजपा राज्यों के संघ की भावना को ठेस पहुंचाकर 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की आड़ में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश कर रही है जिसका प्रतिकार किया जाना चाहिए। ऐसे अहम समय में सीताराम येचुरी की अनुपस्थिति माकपा या कॉमरेड के लिए ही नहीं बल्कि देश के लिए भी बड़ी क्षति है।'' रेड्डी ने दावा किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा की गई टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कार्रवाई नहीं किया जाना भाजपा के फासीवादी विचारों को इंगित करता है।

तटीय अपशिष्ट पुनर्चक्रण संयंत्रों के लिए एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि सरकार तटीय इलाकों में छोड़े गए मछली पकड़ने वाले गियर और प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण के लिए संयंत्र स्थापित करने के वास्ते एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने मुंबई के जुहू में समुद्र तट सफाई अभियान में भाग लेते हुए ''पुनर्चक्रण संयंत्रों की स्थापना के लिए एकमुश्त वित्तीय सहायता'' के लिए दिशा-निर्देशों का ऐलान किया।

मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए एक नोट के अनुसार, देश के 12 'ब्लू फ्लैग-प्रमाणित' समुद्र तटों (जो वैश्विक पर्यावरण, शैक्षिक, सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं) पर मछली पकड़ने के गियर/जाल और समुद्री प्लास्टिक अपशिष्ट की पुनर्चक्रण सुविधाओं की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि 'ब्लू फ्लैग' समुद्र तटों के पास 25 पुनर्चक्रण संयंत्र (13 मछली पकड़ने के नायलॉन निर्मित गियर के लिए और 12 प्लास्टिक कचरे के लिए) स्थापित करने के वास्ते एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसने कहा कि प्लास्टिक कचरे और मछली पकड़ने के गियर/जाल के पुनर्चक्रण इकाइयां पात्र होंगी यदि उनके पास वैध परमिट हो तथा वे तटीय विनियमन क्षेत्र के बाहर स्थित होने के साथ स्थानीय नियमों पर खरी उतरती हों। सहायता राशि में संयंत्र और मशीनरी की लागत शामिल होगी, लेकिन भूमि, निर्माण कार्य या अन्य खर्च शामिल नहीं होंगे। प्लास्टिक अपशिष्ट पुनर्चक्रण इकाइयों के लिए अनुदान प्रति टन उत्पादन क्षमता के लिए 19 लाख रुपए होगा या संयंत्र लागत का 40 प्रतिशत होगा, लेकिन अधिकतम सीमा 38 लाख रुपए होगी। मछली पकड़ने के नायलॉन निर्मित गियर के पुनर्चक्रण संयंत्र के लिए अनुदान प्रति टन क्षमता के लिए 24 लाख रुपए होगा या संयंत्र लागत का 40 प्रतिशत होगा, लेकिन अधिकतम सीमा 48 लाख रुपए होगी। लागत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और परियोजना के प्रस्तावक के बीच 40 और 60 के अनुपात में साझा की जाएगी।

लेबनान में फंसा पंजाब का एक व्यक्ति 23 साल बाद घर लौटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। गुरतेज सिंह पंजाब में अपने परिवार के भविष्य के लिए बेहतर आजीविका कमाने के लिए जब लेबनान गए थे, तो उन्हें शायद ही पता होगा कि अपने परिवार से मिलने के लिए 23 साल तक इंतजार करना पड़ेगा। लुधियाना जिले के मत्तेवाड़ा गांव के मूल निवासी सिंह 2001 में अपने गांव के पांच-छह लोगों के साथ लेबनान चले गए थे। 2006 में लेबनान में युद्ध छिड़ने के बाद बाकी लोग घर लौट आए, लेकिन सिंह पासपोर्ट खो जाने के कारण वहीं फंस गए।

अब 55 साल के हो चुके सिंह ने कहा, अपने परिवार को बेहतर जीवन देने के लिए 2001 में काम के लिए लेबनान गया था। उन्होंने कहा, (जब युद्ध छिड़ा) मैं भी भारत लौटना चाहता था। मैं कई बार भारतीय दूतावास गया, लेकिन मुझे (डुप्लीकेट पासपोर्ट हासिल करने के लिए) कुछ सबूत पेश करने को कहा गया।'' 'आप' के राज्यसभा सदस्य बलबीर सिंह सीचेवाल द्वारा विदेश मंत्रालय के समक्ष यह मुद्दा उठाए जाने के बाद वह अंततः छह सितंबर को भारत लौट आए। सीचेवाल ने कहा कि उन्होंने इस मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया, जिसके बाद सिंह को खोए हुए पासपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराई गई और वह अंततः वापस लौट सके। सिंह ने स्वीकार किया कि पासपोर्ट खो जाने के कारण उन्हें पकड़े जाने का निरंतर भय बना रहता था। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा लगता था कि पासपोर्ट न होने की स्थिति में वह भारत कैसे लौटेंगे। भारत में उनके परिवार ने भी उनकी वापसी की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सिंह ने कहा कि 'डुप्लीकेट' पासपोर्ट न मिलने पर उन्हें लगता था कि शायद वह अपने परिवार से कभी नहीं मिल पाएंगे।

भारत, जर्मनी ने स्वच्छ ऊर्जा, गतिशीलता क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया

नई दिल्ली/भाषा। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत यात्रा से पहले नई दिल्ली और बर्लिन ने नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास, कृषि पारिस्थितिकी और गतिशीलता के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। जर्मन अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि भारत के आर्थिक मामलों के विभाग और जर्मनी के संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय के नेतृत्व में विकास नीति वार्ता में इन प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

धारावी में मस्जिद के 'अवैध' हिस्से को गिराने की बीएमसी की योजना के खिलाफ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई की धारावी झुग्गी बस्ती में शनिवार को उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब सैकड़ों लोग एक मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को गिराने की बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की योजना के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

कुछ निवासियों ने नगर निगम के अधिकारियों को उस गली में प्रवेश करने से रोक दिया जहां मस्जिद स्थित है और जल्द ही सैकड़ों लोग धारावी थाने के बाहर एकत्र होकर सड़क पर बैठ गए। स्थिति तनावपूर्ण होने पर मस्जिद प्रबंधन से जुड़े लोगों ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने अतिक्रमण वाले हिस्से को हटाने के लिए चार से पांच दिन का समय मांगा, जिस पर अधिकारियों ने सहमति जताई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इलाके में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जी-उत्तर प्रशासनिक वार्ड से बीएमसी अधिकारियों का एक दल सुबह करीब नौ बजे धारावी के 90 फुट रोड पर स्थित महबूब-ए-सुब्हानी मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को गिराने के लिए पहुंचा था। वहां जल्द ही बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी एकत्र हो गए। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को उस गली में जाने से रोक दिया जहां मस्जिद स्थित है।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद सैकड़ों लोग धारावी थाने के बाहर इकट्ठा हो गए और नगर निगम के कदम का विरोध करने के लिए सड़क पर बैठ गए।'' नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि बीएमसी के जी उत्तर वार्ड ने मस्जिद के अतिक्रमित हिस्से को हटाने के लिए नोटिस जारी किया और कहा कि इस नोटिस के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि धारावी थाने के बाहर लोग एकत्र हुए और नोटिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया तथा अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोक दिया। अधिकारी ने बताया कि नगर निगम के अधिकारियों और धारावी पुलिस के साथ संयुक्त बैठक में मस्जिद के ट्रस्टियों ने बीएमसी से अवैध हिस्से को हटाने के लिए चार- पांच दिन का समय मांगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्टियों ने बीएमसी के उपायुक्त और जी उत्तर डिवीजन के सहायक आयुक्त को लिखित अनुरोध प्रस्तुत किया है, जिसमें कहा है कि वे इस अवधि के दौरान स्वयं ही विवादित हिस्सा हटा देंगे। अधिकारी ने बताया नगर निकाय ने अनुरोध स्वीकार कर लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

रिजर्व बैंक के गवर्नर ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

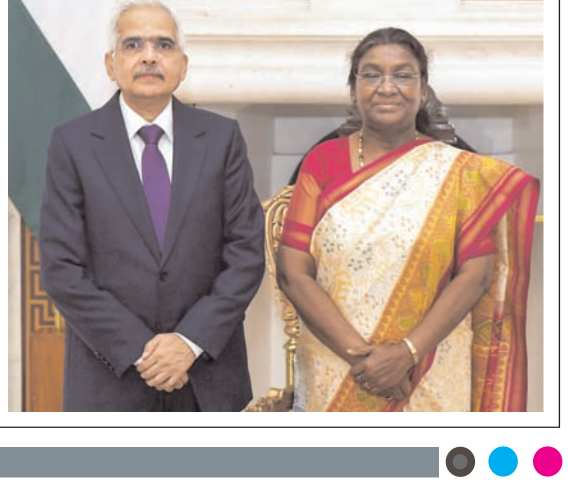

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस मुलाकात की तस्वीर भी साझा की।

तिरुपति लड्डू को अपवित्र करने के मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाएगा : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू को अपवित्र करने के मुद्दे को गंभीरता से लिया है और इस मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के नंदिनी घी की खरीद रोक दिये जाने के बाद ये आरोप सामने आये हैं।

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का कामकाज भी संभाल रहे जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने तिरुपति लड्डू में मिलावट का बहुत गंभीर आरोप सुना है। पिछली (आंध्र प्रदेश) सरकार नंदिनी घी का इस्तेमाल कर रही थी। जब उसने नंदिनी उत्पादों का इस्तेमाल बंद कर दिया, तो उसने अलग-अलग स्रोतों से घी खरीदना शुरू कर दिया। तब से ये घटनाएं हुई हैं और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने प्रयोगशाला रिपोर्ट भी जारी की है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भारत के एक महत्वपूर्ण नेता एवं अच्छे प्रशासक हैं तथा जब उन्होंने कुछ कहा है, तो उसमें अवश्य तथ्य होंगे।

जोशी ने कहा, ''अब जब प्रयोगशाला रिपोर्ट आ गई है, तो विस्तृत जांच होनी चाहिए। जिसने भी गलत किया है, उसे सजा मिलनी चाहिए। हम इसे गंभीरता से लेंगे और इस मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''यह देश की संस्कृति और आस्था का सवाल है। ऐसा विश्वासघात उचित नहीं है।'' मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक में भी मंदिर प्रबंधनों को श्रद्धालुओं को दिये जाने वाले प्रसाद की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। इस बीच, कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री के एस ईश्वरप्पा ने वाई एस जगनमोहन रेड्डी के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान विदेशी ईसाई मिशनरियों की भूमिका का आरोप लगाया।

ईश्वरप्पा ने कहा, ''ऐसा सिर्फ़ वाई एस जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल में ही क्यों हुआ? इसमें विदेशी ईसाई पादरी की भूमिका है। जगन मोहन रेड्डी एक धर्मांतरित ईसाई हैं।'' भाजपा से निष्कासित नेता ने कहा कि तिरुपति लड्डू को अपवित्र करना हिंदुओं के खिलाफ एक साजिश थी।

बेंगलूरु में महिला की हत्या कर शव के 30 से अधिक टुकड़े किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में मल्लेश्वरम इलाके की एक इमारत में एक महिला की हत्या कर शव के 30 से अधिक टुकड़े किये गए, जो एक फ्रिज से बरामद किये गए हैं। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय महिला की हत्या कुछ दिन पहले की गई होगी।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और इमारत की ओर जाने वाली सड़क पर अवरोधक लगा दिए। इसी इमारत के एक फ्लैट में, महिला के शव के 30 से अधिक टुकड़े एक फ्रिज से बरामद किये गए हैं। पुलिस ने बताया कि महिला अकेली रहती थी। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिम क्षेत्र) एन सतीश कुमार ने कहा, व्यालिकावल पुलिस थाना क्षेत्र के भीतर एक घर में एक महिला महालक्ष्मी का शव टुकड़ों में कटा हुआ और फ्रिज में रखा हुआ मिला। ऐसा प्रतीत होता है कि यह 4-5 दिन पहले किया गया था। उन्होंने बताया कि डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू कर दी।

कुमार ने संवाददाताओं से कहा, शव की पहचान हो गई है। जांच जारी है। जांच के बाद हम और जानकारी देंगे। वह कर्नाटक में रहती थी, लेकिन मूल रूप से दूसरे राज्य की है। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति से अलग रह रही थी। मृतक महिला मल्लेश्वरम के वयालीकावल के श्रीविनायक लेआउट में रहती थी और एक मॉल में काम करती थी जबकि उसका पति शहर से दूर एक आश्रम में काम करता है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वह भी मौके पर पहुंचा।

शिवकुमार ने चन्नपट्टना को स्वर्णिम शहर बनाने की प्रस्तावना लिखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नापट्टना। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 2,069 आवेदकों को भूमि प्रदान करके, 2,300 को आवास वितरित करके और 200 करोड़ की लागत वाले कार्यों की आधारशिला रखकर चन्नपट्टनम को एक सुनहरा शहर बनाने की योजना शुरू की। उपमुख्यमंत्री ने युवा सेवा और खेल विभाग की ओर से थट्टेकेरे पेयजल बांध के पास लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम विकास कार्य के लिए गुद्दली पूजा करके अपने विकास अभियान की शुरुआत की। बाद में उन्होंने मंत्री जमीर अहमद खान और रहीम खान के साथ हजरत सैयद मोहम्मद अकील शाह कादरी अल-बगदादी दरगाह का दौरा किया और प्रार्थना की।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भागीरथ की तरह चन्नापटना निर्वाचन क्षेत्र में आए जो बिना किसी प्रतिनिधि के अनाथ था। उन्होंने उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां कोई विकास नहीं हुआ था और सरकार आपके द्वार आए, सेवा करें और सहयोग करें कार्यक्रम के माध्यम से जिला अधिकारियों का समर्थन किया और प्रत्येक जिला पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किए और जनता की शिकायतें सुनीं। इस कार्यक्रम में लगभग 9,731 आवेदन प्राप्त हुए।

इनमें से अधिकारियों द्वारा आवास के लिए आए 8,112 आवेदनों की जांच की गई और अस्थायी बेघरों के लिए 6,660 आवेदनों की सूची तैयार की गई। पूरे दस्तावेज जमा कराने वाले ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 2069 लोगों को प्लॉट आवंटित किए जा रहे हैं। चन्नापटना शहर के निवासियों को आईडीएसएसएमटी लेआउट के पास 10 एकड़ 6 गुंटे क्षेत्र के भूखंड वितरित करने के लिए लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया गया और नगर आश्रय समिति और राजीव गांधी हाउसिंग कॉर्पोरेशन के माध्यम से पतलू गांव में 500 भूखंड वितरित किए गए। इसके अलावा, बसवा आवास योजना और अंबेडकर आवास योजना के तहत बेघरों को 2,300 घर वितरित किए गए। प्लेसमेंट के लिए आवेदन करने वालों में से 339 अनुसूचित जाति, 39 अनुसूचित जनजाति, 41 विशेष आवश्यकता वाले, 990 अल्पसंख्यक और 660 अन्य श्रेणियों के लाभार्थियों का चयन किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने चन्नापट्टना में अनेक विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। उन्होंने टीपू सुल्तान मैदान में आयोजित समारोह में नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 21 दिव्यांग लाभार्थियों को अल्पसंख्यक विकास विभाग की ओर से सिलाई मशीन व अन्य सुविधाएं आवंटित की गईं तथा 25 लाभार्थियों को सारथी योजना के तहत ऑटो व कार खरीदने के लिए अनुदान दिया गया।

उद्घाटन

शनिवार को धारवाड़ में केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने यूएएस धारवाड़ में कृषि मेला 2024 का उद्घाटन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा अवैध भूमि अधिसूचना मामले में लोकायुक्त के समक्ष पेश हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा कथित अवैध भूमि अधिसूचना मामले में शनिवार को कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष पेश हुए। लोकायुक्त के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लोकायुक्त की पुलिस शाखा ने येडीयुरप्पा को नोटिस भेजा था और उसके अनुसार, वह जांच अधिकारी के सामने पेश हुए। यह समन भूमि अधिसूचना रद्द करने से संबंधित था।

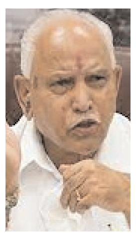

यह घटना कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा लोकायुक्त से येडीयुरप्पा और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ भूमि की कथित अधिसूचना रद्द करने के संबंध में जांच में तेजी लाने को कहने के दो दिन बाद आई है। एक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को, मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, दिनेश गुंडू राव और संतोष ने बेंगलूरु उत्तर के कसाबा होबली के गंगेनाहल्ली में 1.11 एकड़ भूमि की अधिसूचना रद्द करने के संबंध में दस्तावेज जारी किए। यह भूमि 1976 में लेआउट बनाने के लिए बैंगलोर विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा अधिग्रहित की गई थी, और इसकी अधिग्रहण प्रक्रिया 1977 में पूरी हुई थी। अधिसूचना रद्द होने के बाद मंत्रियों ने कहा कि जुलाई 2010 में यह जमीन कुमारस्वामी के रिश्तेदार चन्नप्पा के नाम पर पंजीकृत हो गई थी।

कुमारन्ना का प्रशासन स्वयं के लिए है बल्कि मेरा प्रशासन लोगों के लिए है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नापटना (रामनगर)। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, कुमारन्ना का प्रशासन उनके लिए है, मेरा प्रशासन तालुक और लोगों के लिए है। मेरा प्रशासन अलग है, कुमारन्ना का प्रशासन अलग है। शिवकुमार ने जमकर भड़ास निकाली। शवकुमार ने चन्नपट्टना के आदिल शाह (टिप्पू) मैदान में विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास में भाग लिया और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

जैसा कि उन्होंने इस मामले में कहा; पिछले तीन महीनों में, चन्नापटना तालुक में 500 करोड़ की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आप न केवल इस तालुक में हो रहे बदलावों को सुन रहे हैं, बल्कि आप उन्हें अपनी आंखों से देख भी रहे हैं। पिछले तीन महीनों में, मंत्री और अधिकारी आपके पास आ रहे हैं और पूछ रहे हैं कि आप क्या चाहते हैं। पुराने विधायकों ने आपको छोड़ दिया है। उनके और चन्नापटना के भक्तों के बीच कोई संबंध नहीं है और भगवान ने मुझे चार बार विधानसभा के लिए चुना है।

सरकार आपके द्वार आयी है

इस कार्यक्रम में हमने जो दीपक जलाया है, वह आपके रास्ते, घर और जीवन को रोशन करेगा। हमने चन्नापट्टनम के विकास का दीपक जलाया है।' जैसा कि वादा किया गया था, हम चन्नपट्टनम को विकास पृष्ठ पर जोड़ रहे हैं और प्रस्तावना लिख रहे हैं। कर्नाटक सरकार आपके दरवाजे पर आई है। हमने चन्नापट्टनम को स्वर्णिम भूमि बनाने का निर्णय लिया है। हम अपनी बात रखने आये हैं। जब हम आपके दरवाजे पर आते हैं तो इन लोगों ने 27 हजार के लिए आवेदन किया है। उसमें से 18 हजार आवेदन, मकान और जमीन की जरूरत है।

इस तालुक में भूमि आवंटन के लिए 170 एकड़ भूमि की पहचान की गई है। हम और 150 एकड़ जमीन खरीदने के लिए तैयार हैं।' जिला कलक्टर बाजार दर पर खरीद करेंगे। मैं कुमारन से यह कहना चाहता हूं।' हमारे केंद्रीय मंत्रियों ने कलेक्टरों को धमकी दी है। मेरे समय में तो ऐसा कुछ होता ही नहीं था, मानों पूछ रहे हों कि अब कैसे करें। मेरी राजनीति परिवार के लिए नहीं है, बल्कि तालुका और लोगों के लिए राजनीति है।

उपचुनाव चाहे कोई भी लड़े, मैं उम्मीदवार हूं

उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि 'मैं यहां उम्मीदवार हूं, मैं जिसे भी उम्मीदवारी का टिकट दूं, उसका समर्थन करना। हमने तीन महीने में इतना कुछ किया है, सोचिए साढ़े तीन साल में हम कितना कर सकते हैं। हमने चन्नापटना बोम्बे (खिलौने) फैक्ट्री की समस्या हल कर दी है।

मैं आपका सेवक बनकर आया हूं। वह तुम पर अधिकार जमाने के लिए नहीं आया है। आपके घर एक अवसर आया है, चिंता न करें। यह चन्नापट्टनम के लोगों के लिए अच्छा होना चाहिए।' इन लोगों का कर्ज तो चुकाना ही होगा। हमारा इरादा इस क्षेत्र के लोगों के साथ रिश्ते मजबूत करना है।

भाजपा विधायक मुनिरत्ना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने बलात्कार, यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के मामले में गिरफ्तार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक मुनिरत्न को शनिवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मुनिरत्ना को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें पराप्पना अग्रहारा स्थित केंद्रीय कारागार भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय महिला की शिकायत के बाद विधायक सहित छह अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला ने आरोप लगाया है कि यह घटना कग्गलीपुरा पुलिस थाने के तहत एक निजी रिजॉर्ट में हुई। मुनिरत्न की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले जनप्रतिनिधियों की एक विशेष अदालत ने विधायक को सशर्त जमानत दे दी थी। उन्हें जातिसूचक

गालियां देने सहित विभिन्न आरोपों में गिरफ्तार किया गया था।

अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर दलीलें सुनने के बाद दो लाख रुपये के बांड भरने और दो जमानती की शर्त पर उनकी अर्जी मंजूर कर ली थी तथा उन्हें सबूतों से छेड़छाड़ करने या जांच में बाधा डालने से रोकने के लिए विशेष निर्देश दिए थे। मुनिरत्ना (60) को पाराप्पना अग्रहारा जेल से बाहर निकलते ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

मोटरसाइकिल एवं ट्रक की टक्कर में युवक की मौत

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में शुक्रवार की शाम एक सड़क हादसे में बाइक पर सवार 18 साल के युवक की लॉरी के पहिये से कुचल कर मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवक की बाइक का हैंडल साथ चल रही लॉरी से टकरा गया और वह गिर कर लॉरी के पिछले पहिए के नीचे आ गया। उन्होंने बताया कि हादसे में बाइक चला रहा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे में मरने वाले युवक की पहचान मोहम्मद जसीम (18) के तौर पर हुई है और वह मेलकर का रहने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

स्वागत

कर्नाटक के 50 समारंभरथ शनिवार को चिक्कमगलूरु पहुंचे। जहां स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया।

तैयारी

मैसूरु में शनिवार को दशहरा हाथी महेंद्र और उनकी टीम ने विश्व प्रसिद्ध दशहरा महोत्सव में जम्बो सवारी के लिए रिहर्सल में हिस्सा लिया।

कर्नाटक सरकार ने भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच के लिए बनायी एसआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने जातिसूचक टिप्पणी और बलात्कार के एक मामले समेत भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ तीन आपराधिक मामलों की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) बी के सिंह की अगुवाई में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का शनिवार को गठन किया। एक अदालत द्वारा आज दिन में मुनिरत्ना को बलात्कार के कथित मामले में 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद यह घोषणा की गयी। जांचदल में तीन आईपीएस अधिकारी -- लाभुराम, सौम्यलता एस के और सी ए सिमोन शामिल हैं। इस दल को विधायक के खिलाफ दर्ज न केवल इन तीन मामलों की बल्कि राज्य के विभिन्न थानों में उनके एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों की जांच करने को कहा गया है। मुनिरत्ना को कथित उत्पीड़न, धमकी एवं जातिसूचक टिप्पणी को लेकर उनके विरूद्ध दर्ज की गयी दो प्राथमिकियों के सिलसिले में एक सप्ताह पहले गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर मुनिरत्ना को रिहा किये जाने के शीघ्र बाद उन्हें बलात्कार के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। राजराजेश्वरीनगर के विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ ये मामले 13 सितंबर को व्यालीकवल थाने में दर्ज किये गये थे।

'एक देश, एक चुनाव' का विचार खतरनाक : कमल हासन

चेन्नई। मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक एवं अभिनेता कमल हासन ने शनिवार को कहा कि एक देश, एक चुनाव' का प्रस्ताव खतरनाक'' है और इसकी खामियों के निशान अब भी कुछ देशों में देखने को मिलते हैं, इसलिए इसकी भारत में न तो अभी और न ही भविष्य में जरूरत है। हासन ने किसी दल या नेता का नाम लिए बिना कहा कि अगर 2014 या 2015 में एक साथ चुनाव होते, तो एकतरफा परिणाम आते और तानाशाही,

अभिव्यक्ति की आजादी के खात्मे और एक नेता के प्रभुत्व के रूप में दुष्परिणाम सामने आते। उन्होंने कहा, ''आपको समझना चाहिए कि हम इससे बच गए...हम उस बीमारी से बच गए, जो कोरोना वायरस से अधिक घातक है।'' हासन ने एक साथ चुनाव को लेकर की गई टिप्पणी के दौरान यूरोप और रूस का संदर्भ दिया, लेकिन ऐसे एक भी देश का उल्लेख नहीं किया, जहां पर यह व्यवस्था विफल हुई है। हासन ने कहा कि तब क्या होगा जब सभी ट्रैफिक लाइट एक ही समय में एक ही रंग की हो जाएं? उन्होंने कहा कि लोगों को सोचने और अपनी पसंद का चुनने के लिए समय दिया जाना चाहिए। एमएनएम प्रमुख ने कहा कि उन्हें राजनीति में नहीं आने और बिग बॉस की मेजबानी नहीं करने की सलाह दी गई थी।

भारत और अमेरिका की सेनाओं का संयुक्त युद्ध अभ्यास संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्धाभ्यास-24' शनिवार को संपन्न हो गया। भारतीय सेना के प्रवक्ता ने यहां बताया कि 'महाजन फील्ड फायरिंग रेंज' में आयोजित समापन समारोह में दोनों सेनाओं के उत्कृष्ट सैनिकों को सम्मानित किया गया और उनकी सांस्कृतिक और सैन्य विरासत को प्रदर्शित किया गया। भारतीय सेना की ओर से मेजर जनरल एन एस जाखड़ और अमेरिकी सेना के दल की ओर से मेजर जनरल जो हिल्बर्ट ने सैनिकों को संबोधित किया।

सेना के जनसंपर्क अधिकारी कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार कार्यक्रम का समापन हथियारों और उपकरणों की प्रदर्शनी के साथ हुआ, जिसमें भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत स्वदेशी रूप से निर्मित हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। इसके अनुसार 'युद्ध अभ्यास-24' भारत और अमेरिका के बीच रक्षा साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ जिसने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया और वैश्विक आतंकवाद विरोधी अभियान में योगदान दिया।

'युद्ध अभ्यास-24' में संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत अर्ध-शहरी और अर्ध-रेगिस्तानी इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अभ्यास में शारीरिक फिटनेस, सामरिक अभ्यास और दोनों देशों की सेनाओं के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं, तकनीकों और प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान पर जोर दिया गया।

भारतीय दल का प्रतिनिधित्व अमोघ डिवीजन की राजपूत रेजिमेंट के एक बटालियन समूह और एक इन्फैंट्री ब्रिगेड मुख्यालय ने किया, जबकि अमेरिकी दल में अलास्का स्थित 1-24 इन्फैंट्री बटालियन और 11वीं एयरबोर्न डिवीजन के तत्व शामिल थे। थार रेगिस्तान के कठिन भूभाग और जलवायु का सामना करते हुए इस दीर्घकालिक अभ्यास में 1,200 से अधिक कर्मियों ने भाग लिया।

बयान के अनुसार यह युद्ध अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया था। पहले चरण में, दोनों दलों ने युद्ध अभ्यास और सामरिक प्रशिक्षण पूरा किया, जिसमें उनकी संयुक्त संचालन क्षमता को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दूसरे चरण, जिसे सत्यापन चरण कहा जाता है, उसमें प्रशिक्षण को संयुक्त अभियानों की एक श्रृंखला के माध्यम से व्यवहार में लाया गया।

सत्यापन अभ्यास में अवलोकन चौकी स्थापित करना, रोड ओपनिंग ड्रिल, घेराबंदी और तलाशी अभियान के अभ्यास जैसी कई प्रकार की संयुक्त गतिविधियां शामिल थीं, जिसमें हेलीकॉप्टरों का उपयोग करके घायलों को निकाला भी गया। इसके अलावा, सी-130, एएलएच और एमआई-17 प्लेटफार्मों का उपयोग करके 'एयरबोर्न' और 'हेलीबोर्न' ऑपरेशन भी किए गए। एक लाइव फायरिंग अभ्यास भी आयोजित किया गया, जिसमें पिनाका, हिमारस और एम-777 तोपों जैसी लंबी दूरी की मारक क्षमता का उपयोग कर लक्ष्यों को बेअसर किया गया, जिसके बाद अंतिम घेराबंदी और तलाशी अभियान ने सटीकता और प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया।

केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो: राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जनजाति बहुल इलाकों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए शनिवार को अधिकारियों से कहा कि वे आदिवासियों के कल्याण को केंद्र में रखकर काम करें। बागड़े उदयपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब तक जनजाति समुदाय और गरीब वर्ग की आय नहीं बढ़ेगी, उनका समेकित विकास नहीं हो सकता, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि हर गरीब का बच्चा शिक्षा प्राप्त करे।

उन्होंने अनुसूचित जाति व जनजाति और घुमन्तू परिवारों के बच्चों को स्कूली शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया और इसके लिए पंचायत स्तरीय कर्मियों को जिम्मेदारी देते हुए शत-प्रतिशत बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। राजभवन के बयान के अनुसार राज्यपाल ने क्षेत्र में अच्छी बारिश होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मानसून की मेहरबानी से इस बार फसल भी अच्छी होने की संभावना है, ऐसे में किसान को उसकी मेहनत का सही मूल्य मिल सके इसके लिए सरकारी स्तर पर फसल खरीद की भी पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए।

उन्होंने वनाधिकार अधिनियम के तहत दिए गए पट्टों की समीक्षा करते हुए कहा कि वन भूमि में पट्टे तो जारी कर दिए जाते हैं, लेकिन लोगों को बिजली कनेक्शन लेने, कुआं खुदवाने जैसे कामों में व्यावहारिक तौर पर दिक्कतें आती हैं।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने वन विभाग तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों को वनाधिकार अधिनियम की मूल भावना के अनुरूप काम करते हुए अनुसूचित जनजाति के लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक दौरान राज्यपाल ने जिले में सिकल सेल एनीमिया के प्रकरणों और इसमें की गई कार्यवाही तथा अब तक की प्रगति की जानकारी ली तथा इसकी रिपोर्ट एक सप्ताह में राजभवन भेजने का निर्देश दिया। वहीं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा विधायक ताराचंद जैन ने बागड़े से उदयपुर सर्किट हाउस में शिष्टाचार भेंट की।

राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में बारिश संबंधी गतिविधियों में पिछले कुछ दिन में कमी दर्ज की गई है, लिहाजा अब हफ्ते भर मौसम शुष्क रहने व आमतौर पर बारिश नहीं होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा पूर्वी राजस्थान में कुछेक स्थानों पर हल्की बारिश होने और बादल गरजने का अनुमान है। विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में 21 सितंबर से मौसम शुष्क रहने का अनुमान है और कुछेक स्थानों पर ही हल्की बारिश हो सकती है।

विभाग के अनुसार 27 सितंबर से शुरू होने वाले हफ्ते के दौरान राज्य के पूर्वी भागों में बारिश संबंधी गतिविधियां बढ़ने की संभावना है और पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश होने के आसार हैं।

वहीं, पिछले 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान में कुछेक स्थान पर हल्की बारिश हुई तथा पश्चिमी राजस्थान में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। सर्वाधिक 10.7 मिलीमीटर बारिश डबोक (उदयपुर) में दर्ज की गई है। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान जैसलमेर (38.2 डिग्री) में दर्ज किया गया।

17 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ के प्रयास में शिक्षक गिरफ्तार, प्रधानाचार्य निलंबित

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के एक गांव के सरकारी माध्यमिक स्कूल के एक शिक्षक को 12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को पॉक्सो अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

कोटा जिले के सुकेत थाना क्षेत्र के जुल्मी गांव के जिस सरकारी स्कूल में यह घटना घटी, उसे पहले 'पीएम स्कूल' की विशेष श्रेणी के तहत चुना गया था। इस बीच, राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने घटना का संज्ञान लेते हुए शिक्षक को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने मामले में समय पर कार्रवाई न करने के लिए स्कूल प्रधानाचार्य को भी निलंबित करने का आदेश दिया है।

अधिकारी लोक हित में संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ करें काम : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के निराकरण के साथ ही समग्र जन कल्याण और सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।संसदीय कार्य मंत्री ने यह बात शनिवार को जोधपुर सर्किट हाऊस में जनसुनवाई के दौरान कही। उन्होंने आमजन की समस्याओं के बारे में संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

पटेल ने कहा कि जनता एवं क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण की आरंभिक पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द हो सके और इसके लिए उन्हें किसी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े।

पटेल ने कहा कि बुनियादी लोक सेवाओं तथा जन सुविधाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों का सर्वोपरि दायित्व है, जिसे संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ निर्वहन करना चाहिए ताकि सुशासन के संकल्प को साकार किया जा सके। आमजन की समस्याओं को तसल्ली से सुनते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया इन समस्याओं का यथोचित समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। जनसुनवाई में पंचायतीराज, राजस्व, डिस्कॉम, चिकित्सा, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर निगम सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों पर सुनवाई कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गये।

विकसित राजस्थान की यात्रा में राजस्थानी मूल के प्रशासनिक अधिकारियों के सुझाव अहम : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान की यात्रा में राजस्थानी मूल के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके अनुभव, सुझाव और संपर्क राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों से प्राप्त सुझावों को राज्य की महत्वपूर्ण नीतियों में शामिल किया जाएगा। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के भारतीय प्रशासनिक सेवा के उच्च अधिकारियों के साथ राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक राजस्थान में वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राजस्थान को निवेश के लिए एक प्रमुख स्थान के रूप में स्थापित करना है और इसके माध्यम से राज्य के विकास में नए आयाम जोड़ने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति के लिए मूलभूत ढांचे का विकसित होना आवश्यक है। इसलिए हमारी सरकार पहले दिन से ही बिजली, पानी, परिवहन और आधारभूत ढांचे के विकास पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ईआरसीपी एवं यमुना जल वितरण जैसे समझौते, तथा देवास परियोजना शुरू करने एवं इंदिरा गांधी नहर में अधिक पानी सुनिश्चित करने जैसे अहम कदमों से प्रदेश में पर्याप्त जलापूर्ति के लिए गतिशील है। इसके अतिरिक्त अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2.24 लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए गए हैं जो धीरे-धीरे धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटन और खनन क्षेत्र को भी बढ़ावा दे रही है। राज्य में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए नए स्थान चिन्हित किए गए हैं। जिनका विकास किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि किशनगढ़, झालावाड़, सिरोही और सीकर जैसे स्थानों पर हवाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां बनाने सहित उनको हरसंभव मदद दे रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पर्यटन, कृषि एवं ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में निवेश राजस्थान के विकास को गति देगा और हमारे राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से राज्य सरकार राजस्थान को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए भी एक आकर्षक राज्य बनाना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यरत प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों, उद्योगपतियों और निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान राज्य सरकार ने 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानियों के लिए राजस्थानी कॉन्क्लेव आयोजित किया है। उनके साथ ही विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के प्रशासनिक अधिकारी भी इसमें शामिल होकर अपने अमूल्य सुझाव दें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का अनुभव राजस्थान को निवेश के एक प्रमुख केंद्र में बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, उन्होंने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सभी अधिकारियों से सुझाव भी मांगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व राजेश कुमार, बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना, पश्चिम बंगाल कैडर के पंचायतीराज सचिव विवेक भारद्वाज, गुजरात कैडर की अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि सुअंजू शर्मा, उत्तर प्रदेश कैडर के प्रमुख शासन सचिव बागवानी एवं रेशम बाबू लाल मीना, केरल कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. देवेन्द्र डोडावत, महाराष्ट्र कैडर के राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र, तमिलनाडु कैडर के चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट अध्यक्ष सुनील पालीवाल, गुजरात कैडर के प्रमुख शासन सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण धनंजय द्विवेदी, महाराष्ट्र कैडर के प्रमुख शासन सचिव वित्त (व्यय) सौरभ विजय से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

सरकार की प्राथमिकता, तकनीक के उपयोग से व्यवस्था को बनाएंगे पारदर्शी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने खनन क्षेत्र में राज्य को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने, प्रदेश में खनिज खोज खनन कार्य को गति देने, जीरो लॉस माइनिंग और माइनिंग क्षेत्र से राजस्व और रोजगार के और अधिक अवसर विकसित करने पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दिशा-निर्देशों के अनुसार परिवर्तित बजट में राज्य में नई खनिज नीति लागू करने और एम सेंड पालिसी में बदलाव लाने सहित बजटीय घोषणाओं के क्रियान्वयन की दिशा में खनिज विभाग ने एक्शन मोड पर काम करना शुरु कर दिया है। राज्य की नई खनिज नीति को स्टेक होल्डर्स व आमजन के सुझावों के लिए विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने के बाद शनिवार को उद्योग भवन में खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने माइंस क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स, माइनिंग एसोसिएशन्स के प्रतिनिधियों और माइनिंग लीजधारकों से सीधा संवाद कायम किया।

खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा कि प्रदेश में वैध माइनिंग में स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं के स्थानीय स्तर पर ही समाधान का मैकेनिज्म विकसित किया जाएगा वहीं माइनिंग ब्लॉकों के ऑक्शन के बाद आवश्यक औपचारिकताओं के कारण उनके ऑपरेशन में लगने वाले समय को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि माइनिंग विभाग के सिस्टम में बदलाव लाते हुए इसे टेक्नोसेवी बनाया जाएं ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता, सरलीकरण, तय समय सीमा में निस्तारण और दायित्व का निर्धारण हो सके।

रविकान्त ने कहा कि प्रदेश में वैज्ञानिक तरीके से देश दुनिया की नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए खनन कार्य किया जाना चाहिए ताकि बेशकीमती खनिजों के बेहतर खनन के साथ ही जीरो लॉस माइनिंग संभव हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा का स्पष्ट संदेश है कि प्रदेश को माइनिंग सेक्टर में आगे ले जाते हुए औद्योगिक निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ाने के समग्र प्रयास किये जाने हैं। इसके लिए माइनिंग सेक्टर से जुड़े लोगों और सरकार दोनो को साझा प्रयास करने होंगे।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राज्य सरकार माइनिंग क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं से अवगत है और नई पॉलिसी में इसे दूर करने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने संवाद के दौरान दिए गए सुझावों को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश के माइनिंग सेक्टर को और अधिक गति मिल सकेगी।

प्रदेश सरकार कृषि एवं किसान कल्याण के लिए संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध : जोगाराम

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को सर्किट हाउस जोधपुर में कृषि विपणन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जोधपुर जिले की कृषि, फल-सब्जी मंडियों के अवसंरचना विकास, वित्तीय स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर व्यापक चर्चा हुई। साथ ही आंगणवा कृषि मंडी के निर्माण कार्य की प्रगति एवं भदवासिया मंडी की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि एवं किसान कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। कृषि बजट में किसानों के हित को ध्यान में रखकर विभिन्न घोषणाएं की गई है, उनका धरातल पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

बिहार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने किया भामाशाह स्टेट डेटा सेंटर और भामाशाह टेक्नो हब का दौरा

जयपुर। बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने शनिवार को झालाना क्षेत्र स्थित भामाशाह स्टेट डेटा सेंटर और भामाशाह टेक्नो हब का दौरा किया। डॉ. सुमन ने भामाशाह स्टेट डेटा सेंटर में मौजूद सुविधाओं का अवलोकन किया और कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा। विजिट के दौरान राज्य सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के अधिकारियों ने डॉ. सुमन को बताया कि भामाशाह स्टेट डेटा सेंटर राज्य के विभिन्न विभागों और एजेंसियों को डिजिटल सक्षम करते हुए अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग के साथ कुशल इलेक्ट्रॉनिक सेवा प्रदान करता है। 600 से अधिक रैक क्षमता वाला यह अपटाइम टियर-4 प्रमाणित डेटा सेंटर 99.995 प्रतिशत अपटाइम सुनिश्चित करता हैं।

सामाजिक एकजुटता के बिना मिलती रहेगी राष्ट्रीय एकता को चुनौती : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जातीय विभेद, छुआछूत, अस्पृश्यता के चलते जब तक सामाजिक एकजुटता का अभाव रहेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता को चुनौती मिलती रहेगी। योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं तथा ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

आयोजन के अंतिम दिन शनिवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवैद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए योगी ने कहा, संतों की पुण्यतिथि पर आयोजन से, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के स्मरण से नई प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा, जातीय विभेद, छुआछूत, अस्पृश्यता के चलते जब तक सामाजिक एकजुटता का अभाव रहेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता को चुनौती मिलती रहेगी। उन्होंने कहा, यही कारण है कि भारत की मार्गदर्शक संत परंपरा ने समाज को जोड़ने का संदेश दिया है। हमें बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क होकर तथा एकजुट होकर देश और समाज के हित के लिए काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ महाराज के साथ सेवा के अनेक प्रकल्पों से जुड़कर काम करने का सौभाग्य मुझे मिला। वे मूलतः धर्माचार्य थे। उनमें वात्सल्य का भाव था। वह मार्गदर्शक और सच्चे समाज सुधारक थे। सहज और सरल लोगों के लिए वह वात्सल्य स्वरूप थे तो धर्म विरोधी आचरण करने वालों के प्रति वज्र जैसे कठोर।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज और जीवन का ऐसा कोई पक्ष नहीं जिसे गोरक्षपीठ ने आगे न बढ़ाया हो। पीठ की परंपरा जोड़ने की रही है। गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा, पीठ ने इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में उन कारणों को समझने के लिए प्रेरित किया जिनकी वजह से देश को गुलाम होना पड़ा। उन्होंने कहा, यह पीठ इसलिए भी समाज की एकजुटता की बात करती है कि जब भी समाज में जाति की खाई को चौड़ा करने का प्रयास किया गया, तब-तब इसका दुष्परिणाम देश को लंबे समय तक गुलामी के रूप में भुगतना पड़ा। योगी ने कहा, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी गुलामी की मानसिकता इतनी हावी रही कि तत्कालीन नेतृत्व देश की सही दिशा तय नहीं कर पाया। अनेक बलिदानियों के सर्वस्व बलिदान से हासिल स्वतंत्रता के बाद भी देश को सही दिशा न मिलने से संतों में आक्रोश था। मुख्यमंत्री ने कहा, आज भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। बीते दस वर्षों में भारत की प्रगति, सर्वांगीण विकास की रूपरेखा उत्साहित करने वाली है। उन्होंने कहा, इस परिस्थिति में हम सबका दायित्व है कि हम बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से बचें।

आरजी कर घटना: कनिष्ठ चिकित्सकों ने 42 दिन बाद आंशिक रूप से काम शुरू किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में कनिष्ठ चिकित्सक 42 दिन बाद शनिवार सुबह आंशिक रूप से काम पर लौट आए। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद एक महिला चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या की घटना के खिलाफ कनिष्ठ चिकित्सकों ने काम बंद कर दिया था। कनिष्ठ चिकित्सकों ने सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक व आपातकालीन सेवाओं में काम करना शुरू कर दिया लेकिन उन्होंने बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में अब भी काम शुरू नहीं किया है।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों में शामिल अनिकेत महतो ने कहा, ''हमने आज से काम पर लौटना शुरू कर दिया है। हमारे सहकर्मी केवल आवश्यक और आपातकालीन सेवाओं में अपने-अपने विभागों में आज सुबह से काम पर लौटना शुरू कर चुके हैं, लेकिन ओपीडी में काम शुरू नहीं किया गया है। कृपया यह नहीं भूलें कि चिकित्सक केवल आंशिक रूप से काम पर लौटे हैं।'' उन्होंने बताया कि उनके अन्य सहयोगी राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए पहले ही रवाना हो चुके हैं, जहां वे विरोध प्रदर्शनों के बीच भी लोगों के स्वास्थ्य को लेकर प्रतिबद्धता दिखाते हुए 'अभया क्लिनिक' (चिकित्सा शिविर) शुरू करेंगे।

नीतीश ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया, बाढ़ राहत शिविर का लिया जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को सड़क मार्ग से पटना के आस-पास गंगा नदी के बढ़ते हुए जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार इस दौरान नीतीश ने जे0पी0 गंगा पथ के दीघा घाट से कंगन घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के क्रम में जे0पी0 गंगा पथ के कंगन घाट, गांधी घाट एवं कृष्णा घाट पर रुककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति को देखा और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के क्रम में अशोक राजपथ को जे0पी0 गंगा पथ से मिलाने वाले कृष्णा घाट पर निर्माणाधीन पहुंच पथ की भी जानकारी ली और तेजी से निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। नीतीश ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के निरीक्षण के दौरान पटना के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह सतर्क रहें और सारी तैयारी पूर्ण रखें, स्थिति की समीक्षा करते रहें और आवश्यक पड़ने पर कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री गांधी सेतु होते हुये वैशाली जिला मुख्यालय हाजीपुर पहुंचे तथा हाजीपुर में बनाये गये बाढ़ राहत शिविर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में रह रहे लोगों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ राहत शिविर में वैशाली के जिलाधिकारी को निर्देश देते हुये कहा कि सभी राहत शिविरों में रह रहे लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखें और स्थिति की निरंतर निगरानी करते रहें।

झारखंड को समृद्ध राज्य बनाने के लिए झामुमो सरकार को उखाड़ फेंकें : सम्राट चौधरी

गिरिडीह (झारखंड)/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा के नेता सम्राट चौधरी ने शनिवार को झारखंड के लोगों से अपील की कि वे राज्य के विकास और समृद्धि के लिए मौजूदा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार को उखाड़ फेंकें। भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' के तहत गिरिडीह में आयोजित जनसभा को संबोधित करते चौधरी ने आरोप लगाया कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने 2019 के चुनाव में किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''राज्य में 'परिवर्तन यात्रा' तब तक जारी रहेगी जब तक कि झामुमो नीत गठबंधन सरकार को सत्ता से बाहर नहीं कर दिया जाता। झामुमो, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) भ्रष्टचार में लिप्त हैं तथा उन्होंने झारखंड को लूटा है।'' भाजपा की इस राज्यव्यापी यात्रा की शुरुआत शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को साहेबगंज जिले से की थी। चौधरी ने कहा, ''विस चुनाव में प्रत्येक मत सतर्क होकर दीजिए और सुनिश्चित कीजिए कि भाजपा सरकार बने। झारखंड को विकसित और समृद्ध राज्य बनाने के लिए झामुमो नीत सरकार को उखाड़ फेंकें।''

झारखंड के मुख्यमंत्री सबसे भ्रष्ट, भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं से खिलवाड़ किया: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटखोरी (चतरा)/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए उन्हें देश का 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' करार दिया। सिंह ने कहा कि अब सोरेन को सत्ता से हटाने और पूर्वी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मत देकर उसे सत्ता में लाने का समय आ गया है। इस साल के अंत में झारखंड में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है।

चतरा जिले के इटखोरी में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर उन्होंने कहा, ''हेमंत सोरेन सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं से खिलवाड़ किया है और भ्रष्टचार में संलिप्त हैं। भारत कभी किसी दागी व्यक्ति को स्वीकार नहीं करेगा।'' सिंह ने दावा किया कि राज्य में भाजपा के किसी भी मुख्यमंत्री- बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुबरदास- ने कभी भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना नहीं किया। रक्षामंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने विदेश में भारत की छवि 'खराब' की और सिख समुदाय को उकसाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, '' राहुल गांधी ने अमेरिका की यात्रा की...उन्होंने सिख समुदाय को यह कहकर उकसाने की कोशिश की कि सिख समुदाय के लिए भारत सुरक्षित नहीं है...वह विदेश में भारत की छवि और प्रतिष्ठा को धूमिल कर रहे हैं।'' सिंह ने झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन के तीनों घटकों- झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल- को राज्य के विकास के लिए अवरोधक करार दिया। सिंह ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को 'संरक्षण' देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वे ''हमारी बेटियों से शादी कर रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'', क्योंकि भाजपा न्याय की राजनीति में विश्वास करती है, न कि जाति, पंथ या धर्म की। उन्होंने लोगों से झारखंड में विकास की गति को तेज करने के लिए कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलाने की अपील की। रक्षामंत्री ने कहा, ''हम यहां की व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं, न कि केवल मौजूदा शासन को।''

हिंसा छोड़ें, बातचीत के जरिये ही स्थायी शांति हो सकती है स्थापित : रीजीजू ने मणिपुर पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर के लोगों से हथियार छोड़कर बातचीत के लिए आगे आने का शनिवार को अनुरोध किया ताकि राज्य में शांति का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

गैर सरकारी संगठन 'माय होम इंडिया' द्वारा आयोजित 'नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स फेस्टिवल' को संबोधित करते हुए रीजीजू ने कहा कि (केंद्र की) नरेन्द्र मोदी सरकार के तहत पूर्वोत्तर में अभूतपूर्व विकास हो रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को एक सुनहरा अवसर मिल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं कुकी भाइयों-बहनों से आग्रह करता हूं कि भारत सरकार हर कोशिश करने के लिए तैयार है लेकिन आपको हथियार छोड़ना होगा। यदि आप हथियार उठाएंगे तो कोई समाधान नहीं निकल सकता।''

संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा, ''कोई भी समाधान केवल बातचीत के जरिये ही निकाला जा सकता है। चाहे कुछ भी हो, आप एक दूसरे से नहीं लड़ सकते। अगर आप एक दूसरे से बात करते हैं, बातचीत की मेज पर आते हैं, तभी हम स्थायी शांति स्थापित कर सकते हैं।'' पिछले साल तीन मई से मणिपुर में जातीय हिंसा जारी है, जब बहुसंख्यक मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिये जाने की मांग के विरोध में पूर्वोत्तर राज्य के पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला गया था।

हिंसा में कुकी और मेइती, दोनों समुदायों के सदस्यों और सुरक्षाकर्मियों सहित अबतक 220 से अधिक लोग मारे गए हैं।

राहुल गांधी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर आंदोलन करेगी कांग्रेस : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी आरएसएस-भाजपा की ''जहरीली मानसिकता'' से नहीं डरेगी और राहुल गांधी को दी गई धमकियों के खिलाफ आंदोलन करेगी।

उन्होंने गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले भाजपा नेताओं पर कार्रवाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विफल रहने पर भी सवाल उठाया। खरगे ने जम्मू में संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, ''भाजपा और आरएसएस के नेता, जिनमें विधायक और सांसद भी शामिल हैं, हमारे नेताओं की जुबान काटने की बात करते हैं। सच बोलने पर (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष) राहुल गांधी पर हमला किया जाता है और उनके खिलाफ नफरत का माहौल बनाया जाता है, जैसा कि (उनकी दादी) इंदिरा गांधी के खिलाफ किया गया था।'' खरगे ने कहा, ''प्रधानमंत्री भाजपा और आरएसएस के ऐसे भड़काऊ भाषणों को नजरअंदाज कर देते हैं। प्रधानमंत्री इन नेताओं पर लगाम लगाने और इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहे हैं, क्योंकि वह उनसे डरते हैं।'' विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने जम्मू पहुंचे खरगे ने कहा कि राहुल गांधी को ''आतंकवादी'' और ''राष्ट्र-विरोधी'' करार दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री इस तरह के बयानों को बढ़ावा दे रहे हैं और कार्रवाई नहीं कर लोगों को उकसा रहे हैं। भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''अगर कोई कांग्रेस को डराने की कोशिश कर रहा है तो हम डरने वाले नहीं हैं। जो लोग हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं, वे आजादी की लड़ाई के दौरान घर बैठे थे। हमारे लोगों ने लड़ाई लड़ी और अपने प्राण न्यौछावर किए। गांधी परिवार का बलिदान का इतिहास रहा है, लोगों को बताएं कि आपका क्या योगदान था।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान दे दी और ''वे (आरएसएस-भाजपा) हमारे नेताओं की जुबान काटने की बात कर रहे हैं, राहुल को आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी बता रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम इसके खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।'' कांग्रेस लोगों को आरएसएस-भाजपा की ''जहरीली मानसिकता'' के बारे में बताएगी।

खरगे ने कहा, ''उन्हें हटाना और जम्मू-कश्मीर को बचाना जरूरी है। यह हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।'' उन्होंने भाजपा पर झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया, खासकर चुनावों के दौरान। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''उनके सारे वादे जुमले बन कर रह गए हैं, जबकि हम अपने सारे वादे पूरे करने के अपने फैसले पर अडिग हैं।'' जम्मू-कश्मीर के लोगों से किये गए पार्टी के चुनावी वादों को रेखांकित करते हुए खरगे ने कहा कि कांग्रेस, राज्य का दर्जा बहाल करने, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, ओबीसी को उचित आरक्षण देने तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा घोषित पैकेज के अनुरूप कश्मीरी पंडितों की वापसी एवं पुनर्वास के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी।

बिहार के समस्तीपुर में सरपंच की गोली मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

समस्तीपुर/भाषा। बिहार के समस्तीपुर जिले में एक सरपंच की हलई इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है।

उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान समस्तीपुर में बनवीरो पंचायत के मुखिया नारायण शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शुक्रवार रात करीब नौ बजे पुलिस को घटना के बारे में सूचना मिली। आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शर्मा को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले गई, जहां उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है और तलाश के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गुस्साए ग्रामीणों ने हत्या के विरोध में समस्तीपुर-पटना राजमार्ग को जाम कर दिया, जबकि हलई इलाके में बाजार बंद रहे। मिश्रा ने कहा, जाम हटा दिया गया है और यातायात सामान्य हो गया है।

झारखंड ने असम से सीखा

हिमंत ने परीक्षा के दौरान मोबाइल इंटरनेट सेवा के निलंबन पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि झारखंड सरकार ने परीक्षाओं के दौरान इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करना इस पूर्वोत्तर राज्य से 'सीखा' है।

एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि झारखंड सामान्य स्नातक स्तर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (जेजीजीएलसीसीई) के दौरान किसी भी कदाचार/गड़बड़ी को रोकने के प्रयास के तहत शनिवार सुबह आठ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी और रविवार को भी ऐसा ही रहेगा।

शर्मा ने कामरूप जिले के बेजेरा में संवाददाताओं से कहा, '' कांग्रेस परीक्षा के दौरान इंटरनेट निलंबित करने को लेकर मेरी आलोचना करती रही है। लेकिन झारखंड में उनकी सरकार यही कर रही है।''

झारखंड के पार्टी मामलों के प्रभारी भाजपा नेता शर्मा ने कहा, ''उन्होंने हमसे सीखा है। और इसका मतलब है कि असम देश को अब मार्ग दिखा रहा है।''

हालांकि झारखंड में विपक्ष की भूमिका निभा रही भाजपा ने इस आदेश को झारखंड सरकार का 'विफल' व्यवस्था को छिपाने का एक अन्य 'शासनादेश' बताया।

असम सरकार ने तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती की लिखित परीक्षा के दौरान 15 सितंबर को पूर्वाह्न 10 बजे से साढ़े तीन घंटे के लिए राज्यभर में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन का आदेश दिया था।

अगस्त 2022 में भी दो दिनों के लिए असम के लगभग सभी जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं चार घंटे के लिए निलंबित कर दी गई थीं, जब पहली बार तृतीय और चतुर्थ श्रेणियों के पदों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी।

स्पिनरों को कुंद करने के लिए कदमों का इस्तेमाल किया: गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

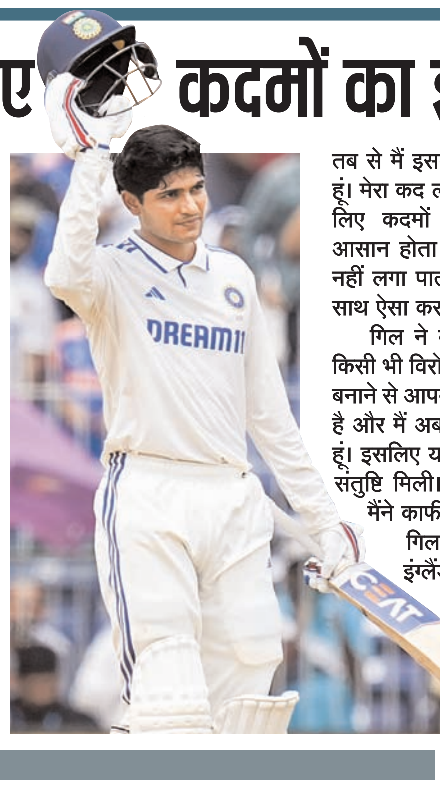

चेन्नई/भाषा। शुभमन गिल ने बांग्लादेश के स्पिनरों को कुंद करने के लिए कदमों का इस्तेमाल करने की पुरानी शैली अपनाई और भारत के इस बल्लेबाज ने कहा कि यह उनकी धीमी गति के गेंदबाजों से निपटने की रणनीति का हिस्सा था।

गिल ने नाबाद 119 रन बनाए जिससे भारत ने शनिवार को यहां अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन पर समाप्त घोषित करके पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बांग्लादेश के सामने 515 रन का असंभव लक्ष्य रखा। गिल ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इससे पहले जब मैं अभ्यास करता था तो विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करके आगे बढ़कर खेलता था। यही रणनीति मैंने यहां अपनाई ही क्योंकि इस तरह के विकेट पर स्पिनर के लिए लय हासिल करना आसान नहीं था क्योंकि गेंद कभी कभार ही टर्न ले रही थी।''

गिल ने अपने इस रणनीति का नमूना ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज के खिलाफ अपनाया जब उन्होंने आगे बढ़कर छक्का जड़ा। इसके बाद उन्होंने शाकिब अल हसन के खिलाफ भी ऐसा किया। इस भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि वह युवावस्था से ही स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करने का अभ्यास करते थे और समय बढ़ने के साथ वह अपने कौशल को निखारते रहे। उन्होंने कहा, ''जब मैं काफी युवा था तब से मैं इसका अभ्यास करता रहा हूं। मेरा कद लंबा है और इसलिए मेरे लिए कदमों का इस्तेमाल करना आसान होता है। पहले मैं लंबे शॉट नहीं लगा पाता था लेकिन समय के साथ ऐसा करना भी सीख गया।''

गिल ने कहा, ''निश्चित तौर पर किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ रन बनाने से आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और मैं अब इस पर काम कर रहा हूं। इसलिए यहां रन बनाने से काफी संतुष्टि मिली। इस श्रृंखला से पहले मैंने काफी अभ्यास किया था।''

गिल ने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ भी दो शतक जमाए थे और उन्होंने कहा कि इससे उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला था। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से मेरा काफी आत्मविश्वास बढ़ा था। यहां पहली पारी में जल्द आउट होना काफी निराशाजनक था। लेकिन मुझे खुशी है कि मैं दूसरी पारी में क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने में सफल रहा।'' गिल ने शतक बनाने वाले अन्य बल्लेबाज ऋषभ पंत की भी जमकर प्रशंसा की जो 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने उसके साथ मैदान में और मैदान के बाहर काफी समय बिताया। उसने वापसी पर शतक बनाया जिससे मैं काफी खुश हूं। मैंने देखा है की चोट से उबरने के बाद उसने कितनी कड़ी मेहनत की है और मुझे पूरा विश्वास है कि वह भी अच्छा महसूस कर रहा होगा।''

पुलिस थानों तक में भी सुरक्षित नहीं हैं महिलाएं : नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। हिरासत में एक महिला के कथित यौन उत्पीड़न की अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच एवं न्यायिक जांच की मांग करने के एक दिन बाद, विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने शनिवार को कहा कि ''यहां तक कि पुलिस थानों में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।''

पटनायक ने बीजद के प्रदेश मुख्यालय 'शंख भवन' में केंद्रपाड़ा और गजपति जिलों के पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने चिंता प्रकट करते हुए कहा, ''यह दुखद है कि भुवनेश्वर में थानों में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं और राजभवन में सरकारी कर्मचारियों की पिटाई कर दी जाती है। ऐसा लगता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।'' उनकी यह टिप्पणी 15 सितंबर को महिला के साथ हुई कथित घटना और उससे पहले राज्यपाल के बेटे द्वारा एक सरकारी कर्मी की कथित पिटाई के संदर्भ में थी। भरतपुर थाने में 15 सितंबर को सेना के एक अधिकारी को कथित तौर पर प्रताड़ित किया किया गया और उनकी मंगेतर का कथित यौन उत्पीड़न किया गया था। विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने बीजद की अनुसूचित जाति मोर्चा को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं से सुभद्रा योजना, पेंशन एवं भत्तों एवं मुफ्त बिजली के बारे में भाजपा द्वारा किये गये 'झूठे' वादों के बारे में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

सुविचार

हमारी हर समस्या का समाधान केवल हमारे पास है, दूसरों के पास तो केवल सुझाव हो सकता है!

ट्वीट

विश्व शांति दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन हमें आपसी भाईचारे, सहिष्णुता और करुणा के महत्व को समझाने का अवसर प्रदान करता है। आज हमें समाज में मानवता के लिए मिलकर शांति और सद्भावना के संदेश को फैलाने का संकल्प लेना चाहिए।

-गोविंद सिंह डोटासरा

आज भीलवाड़ा में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय उद्यमी सम्मेलन में सहभागिता कर उद्यमियों से संवाद किया। इस मंच ने न केवल उद्यमियों के समर्पण को सराहा, बल्कि आने वाले समय में औद्योगिक क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रेरणा भी दी।

-दीया कुमारी

कहानी

महीप सिंह

पानी और पुल

हमारी गाड़ी जेहलम के पुल पर आ गयी थी। रात्रि की उस नीरवता में खडर...खडर....खडर...की आवांज आ रही थी। मैं खिड़की से झांककर जेहलम का पुल देखने लगा। मैंने सुना था जेहलम का पुल बहुत मंजबूत है। पत्थर और लोहे के बने उस मंजबूत पुल को अँधेरे में मैं देख रहा था। मेरी ष्टि और नीचे की ओर जा रही थी, वहाँ घुप्प अँधेरा था, पर मैं जानता था वहाँ पानी है, जेहलम नदी का कल-कल करता हुआ स्वच्छ और निर्मल पानी, जो उस पत्थर और लोहे के बने हुए पुल के नीचे से बह रहा था।

गाडी ने लाहौर का स्टेशन छोड़ा तो एकबारगी मेरा मन काँप उठा। अब हम लोग उस ओर जा रहे थे जहाँ चौदह साल पहले आग लगी थी। जिसमें लाखों जल गये थे, और लाखों पर जलने के निशान आज तक बने हुए थे। मुझे लगा हमारी गाड़ी किसी गहरी, लम्बी अन्धकारमय गुफा में घुस रही है। और हम अपना सब-कुछ इस अन्धकार को सौंप दे रहे हैं।

हम सब लगभग तीन सौ यात्री थे। स्त्रियों और बच्चों की भी संख्या काफी थी। लाहौर में हमने सभी गुरुद्वारों के दर्शन किये। वहाँ हमें जैसा स्वागत मिला,उससे आगे अब पंजासाहिब की यात्रा में किसी प्रकार का अनिष्ट घट सकता है, ऐसी सम्भावना तो नहीं थी, परन्तु मनुष्य के अन्दर का पशु कब जागकर सभी सम्भावनाओं को डकार जाएगा, कौन जानता है?

यही सब सोचते-सोचते मैंने मां की ओर देखा, हथेली पर मुंह टिकाये, कोहनी को खिड़की का सहारा दिये वे निरन्तर बाहर की ओर देख रही थीं। खेत कट चुके थे। दूर-दूर तक सपाट धरती दिखाई दे रही थी। मुझे लगा, मां की आँखों में से उतरकर यह सपाटता मन में पूरी तरह छा गयी है। फिर मैंने अपने डिब्बे के दूसरे यात्रियों की तरफ देखा। उन पर भी गहरी उदासी छा गयी थी। समझ में नहीं आ रहा था कि एकाएक ऐसी उदासी सब पर क्यों छा गयी है?

''तुम्हें तो रास्ता अच्छी तरह याद होगा।'' मैंने मां का ध्यान तोड़ते हुए पूछा, ''सैकड़ों बार आना-जाना हुआ होगा तुम्हारा?''

मां मेरी ओर देखकर मुसकरायी। वह मुस्कराहट सब-कुछ खोकर पायी हुई मुसकराहट थी। बोलीं, ''मुझे तो रास्ते का एक-एक स्टेशन तक याद है। पर आज यह इलाका कितना बेगाना-बेगाना-सा लग रहा है। आज चौदह साल बाद इधर से जा रही हूं। पहले भी ऐसी ही जाती थी। लाहौर पार करते ही अजीब-सी उमंग नस-नस में दौड़ी जाती थी।'' सराई : हमारा गाँवॅ : जैसे-जैसे निकट आता जाता, वहाँ की एक-एक शक्ल मेरे सामने दौड़ जाती, स्टेशन पर कितने लोग आये होते...

मां की आँखों में चौदह साल पहले की याद तरल हो आयी थी। पिताजी ने अपना रोजगार उत्तर प्रदेश में ही जमा लिया था। हम सब भाई-बहनों का जन्म पंजाब के बाहर ही हुआ था। मुझे याद है, पिताजी तो शायद साल में एकाध बार ही पंजाब आते हों, पर मां के दो-तीन चक्कर जरूर लग जाते थे। हममें जो छोटा होता वह मां के साथ जाता, और जबसे मुझे याद है मेरी छोटी बहन ही उनके साथ जाए करती थी। उन दिनों, पंजाब का विभाजन घोषित हो चुका था, पंजाब की पाँचों नदियों का जल उन्माद की तीखी शराब बन चुका था, मां ने फिर पंजाब जाने का फैसला किया था। सभी ने ऐसे विरोध किया जैसे वे जलती आग में कूदने जा रही हों। और वह सचमुच आग में कूदने जैसा ही तो था। परन्तु पिताजी सहित हम सब जानते थे कि मां को अपने निश्चय से डिगाना कोई आसान बात नहीं। उन्होंने सबकी बातों को हँसकर टाल दिया। बीस-बाइस दिनों में वह वापस आ गयीं। गाँव के घर का बहुत-सा सामान वे बुक करा आयी थीं। अपने साथ वे अपना पुराना चरखा और दही मथने की मथनी ले आयी थीं।

फिर सारे पंजाब में आग लग गयी। घर-के-घर, गाँव-के-गाँव और शहर-के-शहर उस आग में जलने लगा। आग रुकी तो लगा इधर तक सपाट फैली हुई जमीन अमृतसर और लाहौर के बीच से फट गयी है और उस पार का फटा हुआ हिस्सा बीच में गहरी खाई छोड़कर न जाने कितना उधर खिसक गया है। हम सब भूल-से गये कि उस गहरी खाई के उस पार हमारा अपना गाँव था, पक्की सड़क के किनारे पीछे की ओर एक नहर थी, और पास की झेलम नदी, अल्हड़ लड़की की तरह उछलती-कूदती बहती थी !

आज मैं मां के साथ खाई पर राजकीय औपचारिकता के बांधे हुए पुल से गुजरकर उसी ओर जा रहा था जो कल कितना अपना था, आज कितना पराया है! मैं एक पुस्तक के पन्ने उलट रहा था, मां ने पूछा, ''यह गाड़ी सराई स्टेशन पर रुकेगी?''

मैंने कुछ सोचा फिर कहा, 'हां रुकेगी शायद। पर पहुँचेगी रात के एक-दो बजे। हम लोग गहरी नींद में सो रहे होंगे। स्टेशन कब आकर निकल जाएगा, पता भी नहीं लगेगा। और अब अपना रखा ही क्या है वहाँ?'

मां के चेहरे पर खिसियाहट-सी दौड़ गयी। बोलीं, ''तुम्हारे लिए पहले भी वहाँ क्या रखा था?'' मेरी बात से मां को चोट पहुँची थी। बिना और कुछ बोले मैं सिर झुकाकर अपनी पुस्तक के पन्नों में उलझ गया। धीरे-धीरे अँधेरा छाने लगा। मां ने पोटली खोलकर खाने के लिए कुछ निकाला। मेरे एक दूर के मामाजी हमारे साथ थे। तीनों ने मिलकर कुछ खाया और सोने की तैयारी करने लगे। मामाजी तो दस मिनट में ही खर्राटे भरने लगे। मैं भी एक ओर लुढ़क गया। मां वैसी ही बैठी रहीं।

कुछ देर बाद एकाएक मेरी आँख खुली, देखा मां, वैसे ही बाहर फैले हुए अँधेरे की ओर निष्पलक देखती हुई बैठी हैं। घड़ी देखी, साढ़े दस बज गये थे। मैंने कहा, ''मां तुम भी लेट जाओ न।''

''अच्छा!'' उनके मुंह से निकला और वे अधलेटी-सी हो गयी। उस अधनींदी अवस्था में मैंने कोई स्वप्न देखा, ऐसा तो मुझे याद नहीं आता, पर उस नींद में भी कुछ घबराहट अवश्य होती रही थी। शायद किसी अस्पष्ट स्वप्न की ही घबराहट हो। कोई लाल-सी तरल चीज मुझे अपने चारों ओर फिरती अनुभव होती थी और मुझे लग रहा था उस लाल-लाल गाढ़ी-सी चीज पर मेरे पैर फच-फच पड़ रहे हैं। फिर एकाएक मैं हड़बड़ा कर उठा। मां मुझे झकझोर रही थीं और अजीब-सी घबराहट और उत्तेजना से उनके हाथ काँप रहे थे।

''क्या है?'' ''देखो यह बाहर शोर कैसा है?''

मैंने बाहर झाँककर देखा। हमारी गाड़ी छोटे-से स्टेशन पर खड़ी थी। प्लेट-फॉर्म पर लैम्प पोस्टों की हलकी-हलकी रोशनी थी और अजीब-सा कोलाहल वहाँ छाया हुआ था। एकबारगी मेरा रोयां-रोयां काँप उठा। चौदह साल पहले की अनेक सुनी-सुनायी घटनाएं बिजली बनकर कौंध गयी, जब दंगाइयों ने कितनी गाडियों को जहां-तहां रोककर लोगों को गाजर-मूली की तरह काट डाला था। मामाजी जागकर मेरा कन्धा हिला रहे थे। ''अरे क्या बात है?'' तभी मेरे कानों में आवांज पड़ी। उस भीड़ में से कोई चिल्ला रहा था-''अरे इस गाड़ी में कोई सराई का है?''

''यह कौन-सा स्टेशन है?'' मैंने मां से पूछा।मां ने कहा, ''सराई-अपने गाँव का स्टेशन।'' बाहर से फिर आवांज आयी, 'अरे इस गाड़ी में कोई सराई का है?' मैंने मां की ओर देखा। उनके चेहरे पर पूर्ण आश्वस्तता थी। ''पूछो इनसे, क्या बात है?''

मैंने खिड़की से गरदन निकाली। बहुत-से लोग घूमते हुए पुकार रहे थे, ''अरे कोई सराई का है?'' पास से जाते हुए एक आदमी को बुलाकर मैंने पूछा, ''क्या बात है जी?'' ''आपमें कोई इस गाँव का है?' ''हां, हम हैं इस गाँव के...'' मां आगे आकर बोली। ''तुम सराई की हो?'' उस आदमी ने जोर देकर पूछा। ''हां, जी।''

मां के इतना कहते ही स्टेशन पर चारों ओर शोर मच गया। इधर-उधर घूमते हुए बहुत-से आदमी हमारे डिब्बे के सामने जमा हो गये। फिर कई आवांजें एक-साथ आयीं।

''हम सराई के ही हैं...'' मां ने जोर देकर कहा, ''इसी गांव के?''

उपस्थित जनसमुदाय में एक कोलाहल-सा हुआ। किसी की आवांज आयी, ''तुम किसके घर से हो?''

मां ने मेरी ओर देखा। मैंने कहा, ''मेरे पिताजी का नाम सरदार मूलासिंह है। ये मेरी मां हैं!'' ''तुम मूलासिंह के बेटे हो?'' कई लोग एक-साथ चिल्लाए, ''तुम मूलासिंह की बीवी हो...रवेलसिंह की भाभी? कैसे हैं सब लोग...?'' कहते-कहते कितने ही हाथ हमारी ओर बढ़ने लगे। लोग हमारे सम्बन्धियों में सबकी कुशल-क्षेम पूछते हुए अपने हाथ की पोटलियाँ मुझे और मां को थमाते जा रहे थे। मैं और मां गुमसुम से उन्हें ले-लेकर अपनी सीट पर रखते जा रहे थे। देखते-देखते हमारी बर्थ कपडों की छोटी-छोटी पोटलियों से भर गयी।

मैं हक्का-बक्का-सा यह देख रहा था। मां अपने सिर का कपड़ा बार-बार संभालती हुई हाथ जोड़ रही थीं। खुशी से उनके होंठ फड़फड़ा रहे थे। मुंह से निकल कुछ भी न रहा था और लगता था आँखें अभी चू पड़ेंगी।

वहीं खड़े गार्ड ने हरी लालटेन ऊपर उठायी और कोट की जेब से सीटी निकाली। मैंने देखा तीन-चार आदमियों ने उसे पकड़-सा लिया।

''अरे बाबू, दो-चार मिनट और खड़ी रहने दे गाड़ी को। देखता नहीं, ये बीवी इसी गाँव की हैं...!'' और एक ने उसका लालटेन वाला हाथ पकड़कर नीचे कर दिया।

''भरजाई, सरदारजी कैसे हैं? उन्हें क्यों नहीं लायी, पंजे साहब के दरशन कराने?'' एक बूढ़ा-सा मुसलमान पूछ रहा था।

मां ने दोनों हाथों से सिर का कपड़ा और आगे कर लिया, उनके मुंह से धीरे से निकला, ''सरदारजी नहीं रहे...!''

''क्या...? मूलासिंह गुजर गये? क्या हुआ था उन्हें?''

मां चुप रहीं, मैंने जवाब दिया, ''उनसे पेट में रसोली हो गयी थी। एक दिन वह फूट गयी और दूसरे दिन पूरे हो गये।''

''ओह, बड़े ही नेक बन्दे थे, खुदा उन्हें अपनी दरगाह में जगह दे।'' उनमें से एक ने अंफसोस प्रकट करते हुए कहा। कुछ क्षण के लिए सबमें खामोशी छा गयी।

''भरजाई, तेरे बच्चे कैसे हैं?''

''वाहे गुरु जी की किरपा है, सब अच्छे हैं।'' मां ने धीरे से कहा।

''अल्लाह, उनकी उम्र दराज करे।'' कई आवांज एक-साथ आयी।

''भरजाई तुम अपने बच्चों को लेकर यहाँ आ जाओ।'' किसी एक ने कहा, और कितनों ने दुहराया, ''भरजाई, तुम लोग वापस आ जाओ...वापस आ जाओ।'' प्लेटफॉर्म पर खड़ी कितनी आवांजें कह रही थीं :

''वापस आ जाओ!'' ''वापस आ जाओ!''

मैंने सुना, मेरे पीछे खड़े मामाजी कुढ़ते हुए कह रहे थे, ''हूं...बदमाश कहीं के! पहले तो मार-मारकर यहाँ से निकाल दिया, अब कहते हैं वापस आ जाओ। लुच्चे!'' पर प्लेटफॉर्म पर खड़े लोगों ने उनकी बात नहीं सुनी थी। वे कहे जा रहे थे- ''भरजाई, तुम अपने बच्चों को लेकर वापस आ जाओ! बोलो भरजाई, कब आओगी। अपना गाँव तो तुम्हें याद आता है? भरजाई वापस आ जाओ...'' मां के मुंह से कुछ नहीं निकल रहा था। वे सिर का कपड़ा संभालते हुए हाथ जोड़े जा रही थीं। दूर खड़ा गार्ड हरी लालटेन दिखाता हुआ सीटी बजा रहा था। इंजन ने सीटी दी। गाड़ी फकफक करती हुई चल दी। भीड़-की-भीड़ हमारे डिब्बे के साथ चल दी। ''अच्छा, भरजाई सलाम...अच्छा बेटे सलाम...रवेलसिंह को मेरा सलाम देना...सबको हमारा सलाम देना...''

मां के हाथ जुड़े हुए थे और मुंह से गद्गद स्वर में धीरे-धीरे कुछ निकल रहा था। धीरे-धीरे गाड़ी कुछ तेज हो गयी। हम दोनों खिड़की से सिर निकाले हाथ जोड़े रहे। भीड़ के लोग वहीं खड़े हाथ ऊपर उठाए चिल्लाते रहे। गाड़ी स्टेशन के बाहर निकल आयी तो मैंने बर्थ से पोटलियाँ हटाकर एक ओर कीं और मां से कुछ कहने के लिए उनकी ओर देखा।

मां की आँखों से आँसुओं की अविरल धार बह रही थी, बहे जा रही थी। वे बार-बार दुपट्टे से आँखें पोंछे जा रही थीं, पर टूटे हुए बांध का पानी बहता ही जा रहा था।

हमारी गाड़ी जेहलम के पुल पर आ गयी थी। रात्रि की उस नीरवता में खडर...खडर....खडर...की आवांज आ रही थी। मैं खिड़की से झांककर जेहलम का पुल देखने लगा। मैंने सुना था जेहलम का पुल बहुत मंजबूत है। पत्थर और लोहे के बने उस मंजबूत पुल को अँधेरे में मैं देख रहा था। मेरी दृष्टि और नीचे की ओर जा रही थी, वहाँ घुप्प अँधेरा था, पर मैं जानता था वहाँ पानी है, जेहलम नदी का कल-कल करता हुआ स्वच्छ और निर्मल पानी, जो उस पत्थर और लोहे के बने हुए पुल के नीचे से बह रहा था।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

मेरी भाषा

सितम्बर माह है। विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। वस्तुत: भाषा सभ्यता को संस्कारित करने वाली वीणा एवं संस्कृति को शब्द देनेवाली वाणी है। कूटनीति का एक सूत्र कहता है कि किसी भी राष्ट्र की सभ्यता और संस्कृति नष्ट करनी हो तो उसकी भाषा नष्ट कर दीजिए। इस सूत्र को भारत पर शासन करने वाले विदेशियों ने भली भाँति समझा और संस्कृत जैसी समृद्ध और संस्कृतिवाणी को हाशिए पर कर अपने-अपने इलाके की भाषाएँ लादने की कोशिश की।

असली मुद्दा स्वाधीनता के बाद का है। राष्ट्रभाषा को स्थान दिए बिना राष्ट्र के अस्तित्व और सांस्कृतिक अस्मिता को परिभाषित करने की प्रवृत्ति के परिणाम भी विस्फोटक रहे हैं।

यूरोपीय भाषा समूह के प्रयोग से 'कॉन्वेंट एजुकेटेड' पीढ़ी, भारतीय भाषा समूह के अनेक अक्षरों का उच्चारण नहीं कर पाती। 'ड़', 'ण' अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। 'पूर्ण', पूर्न हो चला है, 'शर्म ' और 'श्रम' में एकाकार हो गया है। ह्रस्व और दीर्घ मात्राओं के अंतर का निरंतर होता क्षय, अर्थ का अनर्थ कर रहा है। 'लुटना' और 'लूटना' एक ही हो गये हैं। विदेशियों द्वारा की गई 'लूट' को 'लुटना' मानकर हम अपनी लुटिया डुबोने में अभिभूत हो रहे हैं।

लिपि नये संकट से गुजर रही है। इंटरनेट खास तौर पर फेसबुक, एक्स, वॉटसएप, इंस्टाग्राम पर अनेक लोग देवनागरी के बजाय रोमन में हिन्दी लिखते हैं। 'बड़बड़' के लिए लरीलरी/ लरवलरव (बर्बर या बारबर या बार-बार) लिखा जा रहा है। 'करता', 'कराता', 'कर्ता' में फर्क कर पाना भी संभव नहीं रहा है। जैसे-जैसे पीढ़ी पेपरलेस हो रही है, स्क्रिप्टलेस भी होती जा रही है।

संसर्गजन्य संवेदनहीनता, थोथे दंभवाला कृत्रिम मनुष्य तैयार कर रही है। कृत्रिमता की पराकाष्ठा है कि मातृभाषा या हिन्दी न बोल पाने पर व्यक्ति संकोच अनुभव नहीं करता पर अंग्रेजी न जानने पर उसकी आँखें स्वयंमेव नीची हो जाती हैं। शर्म से गड़ी इन आँखों को देखकर मैकाले और उसके वैचारिक वंशजों की आँखों में विजय के अभिमान का जो भाव उठता होगा, ग्यारह अक्षौहिणी सेना को परास्त कर वैसा भाव पांडवों की आँखों में भी न उठा होगा।

हिन्दी पखवाड़ा, सप्ताह या दिवस मना लेने भर से हिंदी के प्रति भारतीय नागरिक के कर्तव्य की इतिश्री नहीं हो जाती। आवश्यक है कि नागरिक अपने भाषाई अधिकार के प्रति जागरुक हों। समय की मांग है कि हिन्दी और सभी भारतीय भाषाएँ एकसाथ आएँ।

बीते सात दशकों में पहली बार भाषा नीति को लेकर वर्तमान केंद्र सरकार संवेदनशील और सक्रिय दिखाई दे रही है। राष्ट्र और राष्ट्रीयता, भारत और भारतीयता के पक्ष में स्वयं प्रधानमंत्री ने पहल की है। नयी शिक्षा नीति में भारत सरकार ने पहली बार प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने को प्रधानता दी है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय भाषाओं का प्रवेश हो चुका है, यह सराहनीय है।

केदारनाथ सिंह जी की प्रसिद्ध कविता है, जिसमें वे कहते हैं,

जैसे चींटियाँ लौटती हैं/ बिलों में,
कठफोड़वा लौटता है/ काठ के पास,
वायुयान लौटते हैं/ एक के बाद एक,
लाल आसमान में डैने पसारे हुए/
हवाई-अड्डे की ओर/
ओ मेरी भाषा/ मैं लौटता हूँ तुम में,
जब चुप रहते-रहते/
अकड़ जाती है मेरी जीभ/
दुखने लगती है/ मेरी आत्मा..!

अपनी भाषाओं के अरुणोदय की संभावनाएँ तो बन रही हैं। नागरिकों से अपेक्षित है कि वे इस अरुण की रश्मियाँ बनें।

बोध कथा

डायनासोर की गुफा

सालों पहले मिमसपुर गांव में एक डरावना और उड़ने वाला डायनासोर रहता था। उस गांव में डायनासोर की गुफा भी थी, जहां डायनासोर अक्सर आता-जाता था। वह डायनासोर इतना खतरनाक था कि उसके मुंह से आग भी निकलती थी। हर महीने वो डायनासोर गांव में उड़ते हुए मुंह से आग निकालकर गांव के कई घरों को जला देता था। ऐसे ही हर महीने उस गांव के कई घर और खेत जलकर राख हो जाते थे। हर तरफ उस डायनासोर का डर था। अपने गांव के लोगों को इतना परेशान देखकर राजा ने उस डायनासोर को मारने का फैसला लिया। उन्होंने उसकी गुफा में 10 से 12 सैनिक भेजे। कुछ सैनिकों ने जैसे ही डायनासोर पर चाकू से हमला किया, तो वैसे ही डायनासोर नींद से जग गया और सारे सैनिकों को मार दिया।

राजा जितनी बार भी सैनिकों को गुफा में भेजते, वो डायनासोर मुंह से आग निकालकर सभी को खत्म कर देता। इस सबसे परेशान होकर राजा ने गांव में घोषणा कर दी कि जो भी उस खतरनाक डायनासोर को मारेगा उसे वो दस हजार सोने की मोहर देंगे। उसी गांव में एक काफी बुद्धिमान व्यक्ति भी रहता था। उसने जैसे ही यह एलान सुना, तो राजा को डायनासोर के आतंक से बचने का उपाय बता दिया। उसने कहा कि हम लोहे को पिघला लेते हैं और उससे बनने वाले लार्वे को डायनासोर पर डाल देंगे। गर्म लार्वे से बचने के लिए जैसे ही डायनासोर उड़ने लगेगा, तो पत्थरों से टकरा जाएगा और उन्हीं के नीचे दबकर उसकी जान निकल जाएगी।

राजा को उसका यह सुझाव अच्छा लगा। उन्होंने अपने सैनिकों को कहकर तुरंत लार्वा तैयार करवाया और सैनिकों के साथ डायनासोर की गुफा में पहुंच गए। फिर ठीक वैसा ही किया जैसा उस बुद्धिमान व्यक्ति ने राजा को करने के लिए कहा था। डायनासोर पर लार्वा जैसे ही गिरा वो इधर-उधर देखे बिना झटके से उड़ने लगा और गुफा से टकरा गया। इसी बीच गुफा के ऊपर के पत्थर उसके ऊपर गिरने लगे और वो उन्हीं के नीचे दबकर मर गया। ऐसा होते ही राजा और पूरे गांव को राहत मिली और राजा ने इस तरकीब को सुझाने वाले व्यक्ति को दस हजार सोने की मोहर इनाम में दे दीं और अपने यहां मंत्री के पद पर भी उसे नियुक्त कर लिया।

वीर गाथा

से. लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल: बलिदान होने से पहले दुश्मन के 10 टैंकों को धूल में मिला दिया

सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का जन्म 14 अक्टूबर, 1950 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उनका परिवार मूलत: सरगोधा से है, जो अब पाकिस्तान में स्थित है। माता महेश्वरी देवी और पिता एमएल खेत्रपाल की वीर संतान अरुण ने रणभूमि में वह काम कर दिखाया, जिसकी चर्चा युगों-युगों तक होती रहेगी।

अरुण को सेना में जाने की प्रेरणा अपने पिता से मिली थी, जो बतौर ब्रिगेडियर सेवा दे चुके हैं। उन्होंने स्कूली शिक्षा दिल्ली से प्राप्त की थी। वे बहुत प्रतिभाशाली छात्र थे। अरुण जून 1967 में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में भर्ती हुए। इसके बाद उन्हें भारतीय सैन्य अकादमी भेजा गया। उन्हें जून 1971 में 17 पूना हॉर्स में कमीशन दिया गया था।

वर्ष 1971 के युद्ध में 17 पूना हॉर्स को शकरगढ़ सेक्टर में बसंतर की लड़ाई के लिए भेजा गया था। उस दौरान हर मोर्चे पर जोरदार घमासान जारी था। पाकिस्तानियों ने कई जगहों पर बारूदी सुरंगें बिछा रखी थीं, जिससे भारतीय टैंकों को आगे बढ़ने में समय लग रहा था। 16 दिसंबर को पाकिस्तानी फौज ने 'बी' स्क्वाड्रन को निशाना बनाते हुए हमला किया। अरुण ने उस हमले का भीषण जवाब दिया। उनके जवाबी हमले ने दुश्मन के हौसले पस्त कर दिए थे। इसी दौरान साथी टैंक के कमांडर शहीद हो गए। अरुण ने अपने साथियों को आदेश दिया कि हमले की रफ्तार कम नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे बढ़ रहे पाकिस्तानी जवानों और टैंकों पर हमला किया। उस घातक हमले में न केवल कई पाकिस्तानी फौजी ढेर हो गए, बल्कि दुश्मन का एक टैंक भी ध्वस्त हो गया। अचानक अरुण के टैंक पर दुश्मन ने हमला किया। इसके बावजूद उन्होंने अपने टैंक को नहीं छोड़ा और दुश्मन के टैंक को ध्वस्त करने में सफल रहे। उसी समय उनके टैंक पर दूसरा हमला हुआ। एक गोला उनके पेट पर लगा। इससे अरुण गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके आखिरी शब्द थे- 'नहीं सर, मैं अपना टैंक नहीं छोड़ूंगा। मेरी मुख्य बंदूक अभी भी काम कर रही है और इन बदमाशों को पकड़ लूंगा।' अरुण ने पाकिस्तान के 10 टैंकों को नष्ट कर दिया था। सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल सिर्फ 21 साल की उम्र में देशभक्ति, वीरता और बलिदान की मिसाल बनकर अमर हो गए। उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खगोलविद ब्रह्मांड के फैलाव की गति को लेकर असहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडिनबर्ग। वैज्ञानिकों द्वारा ब्रह्मांड के फैलने की खोज किए हुए करीब 100 साल पूरे हो गए हैं। इसके बाद के दशकों में, माप की सटीकता, और इस खोज की व्याख्याएं और निहितार्थ को लेकर बहस हुई। अब हम जानते हैं कि ब्रह्मांड बिग बैंग नामक घटना में अत्यधिक संपीड़ित अवस्था से नाटकीय रूप से उभरा। वर्तमान विस्तार दर के मापन को हबल कांस्टेंट या एच जीरो (उच्चारण एच-नॉट) के रूप में जाना जाता है। इसमें शुरुआती दिनों के मुकाबले काफी सुधार आया है। हालांकि, अब खगोल वैज्ञानिकों के बीच एक नयी बहस छिड़ गई है; एचजीरो के दो स्वतंत्र माप, जिन पर सहमति होनी चाहिए, अलग-अलग परिणाम देते हैं। इस स्थिति को 'एचजीरो टेंशन' या हब्बल टेंशन के नाम से जाना जाता है।

इस मुद्दे पर कई सम्मेलन किए गए हैं, समीक्षा लेख या पत्रिका में अनुसंधान पत्र प्राकशित किए गए हैं। कुछ इसे ब्रह्मांड विज्ञान के लिए 'संकट' के रूप में उल्लेख करते हैं, जिसके लिए ब्रह्मांड की हमारी समझ में एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है। ब्रह्मांड का विस्तार 'बिग बैंग' के बाद से इसके इतिहास का एक प्रमुख पहलू है, इसलिए यह हमारी समझ के कई अन्य तत्वों को रेखांकित करता है। अन्य लोग एचजीरो तनाव को केवल एक संकेत के रूप में देखते हैं कि माप दल उनके डेटा को पूरी तरह से नहीं समझते हैं और बेहतर डेटा के साथ, 'संकट' का समाधान हो जाएगा। लेकिन इसका समाधान अभी भी अस्पष्ट है।

इस बहस के केंद्र में दो माप विधियां 'डिस्टेंस लैडर' और 'कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड' हैं। 'डिस्टेंस लैडर' दोनों में से सबसे पुरानी है, और ब्रह्मांड के विस्तार का प्रारंभिक पता लगाने के बाद से इसका उपयोग विभिन्न रूपों में किया गया है। पहला सबूत धूमिल बादल जैसी वस्तुओं के अग्रणी माप से आया था जिन्हें अब हम आकाशगंगा (मिल्की वे) के बाहर की आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। अमेरिकी खगोलशास्त्री वी.एम. स्लिफर ने इन वस्तुओं से आ रही प्रकाश में रासायनिक संकेतों को मापा।ज्ञात अणुओं के साथ इन संकेतकों का मिलान करने के लिए 'स्पेक्ट्रोस्कोपी' की तकनीक का उपयोग कर उन्होंने पाया कि उनकी तरंग दैर्ध्य मानक प्रयोगशाला परिणामों की तुलना में फैली हुई थी।

अन्य आकाशगंगाओं से प्रकाश की तरंग दैर्ध्य का यह खिंचाव को 'रेडशिफ्ट' के रूप में जाना जाता है और यह 'डॉपलर' प्रभाव के कारण होता है। यह घटना आपातकालीन वाहन के पास आने पर सायरन बजने की आवाज के बढ़ने और उसके गुजरने के साथ कम होने के लिए भी जिम्मेदार है। स्लिफर ने 1917 के एक मौलिक लेख में घोषणा की कि लगभग सभी आकाशगंगाएं जो उन्होंने देखी थीं, आकाशगंगा (मिल्की वे) से दूर जा रही थीं। स्लिफर के आंकड़ों का उपयोग एडविन हबल ने अपने प्रसिद्ध 1929 के अध्ययन में किया, जिसमें दिखाया गया कि आकाशगंगा जितनी अधिक दूर होती है, वह उतनी ही तेजी से पीछे हटती है और इसलिए उसका 'रेडशिफ्ट' उतना ही अधिक होता है। 'रेडशिफ्ट' और दूरी के बीच का अनुपात 'हबल कांस्टेंट' है।

ब्रह्मांड के विस्तार का अनुमान सिद्धांतकारों ने पहले ही लगा लिया था। अलेक्जेंडर फ्रीडमैन और जॉर्जेस लामेत्रे ने 1920 के दशक की शुरुआत में ही स्वतंत्र रूप से महसूस किया कि अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा हाल ही में प्रकाशित सामान्य सापेक्षता का सिद्धांत एक विस्तारित ब्रह्मांड की भविष्यवाणी कर सकता है, और इसके निहितार्थ आकाशगंगा 'रेडशिफ्ट' होंगे जो दूरी के साथ बढ़ते हैं।

श्रीलंका : राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीलंका। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शनिवार को संपन्न हुआ। इस दौरान, सभी 22 निर्वाचन जिलों में कहीं से भी हिंसा या सुरक्षा उल्लंघन की कोई खबर नहीं आई। वर्ष 2022 के आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका में यह पहला चुनाव है। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम चार बजे तक मतदान केंद्र में प्रवेश करने वाले सभी लोगों को निर्धारित समय सीमा के बाद भी वोट डालने की अनुमति दी गई। अधिकारियों ने अभी कुल मतदान प्रतिशत का अंतिम आंकड़ा जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि दोपहर दो बजे तक 1.7 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 60 फीसदी से अधिक ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक, जाफना जिले में दोपहर तक मतदान काफी धीमा था। एक तमिल अल्पसंख्यक कट्टरपंथी समूह ने यहां लोगों से मतदान में हिस्सा नहीं लेने की अपील की थी। अधिकारियों ने बताया कि शाम चार बजे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद डाक मतों की गिनती शुरू कर दी गई। डाक मतदान चार दिन पहले आयोजित किया गया था। इसके तहत ज्यादातर चुनाव कर्मियों, सैनिकों और पुलिसकर्मियों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। कोलंबो शहर के उप चुनाव आयुक्त एमकेएसकेके बंदरमापा ने कहा, डाक मतपत्रों की गणना के बाद शाम छह बजे हम सामान्य मतों की गिनती शुरू करना चाहेंगे। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए लगभग 8,000 स्थानीय और विदेशी चुनाव पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई थी। इनमें यूरोपीय संघ, राष्ट्रमंडल देशों और 'एशियन नेटवर्क फॉर

फ्री इलेक्शन्स' के 116 तथा दक्षिण एशियाई देशों के सात अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक शामिल थे। प्रमुख स्थानीय समूह 'पीपुल्स एक्शन फॉर फ्री एंड फेयर इलेक्शन' (पीएएफएफआरईएल) ने 4,000 स्थानीय पर्यवेक्षकों की तैनाती की थी।

इस चुनाव को मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के लिए अग्निपरीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का दावा किया है। विश्लेषकों के अनुसार, यह चुनाव 1982 के बाद देश में हुआ सबसे दिलचस्प राष्ट्रपति चुनाव है, जिसमें 38 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। देश भर में 13,400 से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए थे और लगभग 1.70 करोड़ लोग मतदान के पात्र थे। बौद्ध मंदिरों के सभागार, स्कूल और सामुदायिक केंद्रों को मतदान केंद्र में तब्दील किया गया था। चुनाव संपन्न कराने के लिए दो लाख से अधिक अधिकारियों की तैनाती की गई थी।

त्रिकोणीय मुकाबले में विक्रमसिंघे (75) को नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के 56 वर्षीय अनुरा कुमारा दिसानायके और समागी जन बालावेगया (एसजेबी) के साजिथ प्रेमदासा (57) से कड़ी टक्कर मिली।

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर हिमंत ने सशस्त्र समूहों से वार्ता का आग्रह किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को उग्रवादी समूहों से हिंसा छोड़कर राज्य के विकास के लिए वार्ताएं करने का आग्रह किया। शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के मौके पर यह अपील की। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, हिंसा और आतंक से राज्य का कोई फायदा नहीं है जबकि वार्ताओं से असम का एक प्रमुख राज्य के रूप में उत्थान सुनिश्चित होगा। असम में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के एक गुट समेत कई उग्रवादी संगठनों ने सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और पिछले कुछ वर्षों में कई उग्रवादी मुख्यधारा में लौट आए हैं। हालांकि, परेश बरुआ के नेतृत्व वाले उल्फा (इंडीपेन्डेंट) ने अभी तक सरकार के साथ कोई बातचीत नहीं की है, जबकि शर्मा ने उग्रवादी नेता से कई बार बातचीत के लिए आग्रह किया है। प्रतिबंधित संगठन ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर 24 स्थान पर बम लगाने का दावा किया था। इसके बाद पुलिस ने गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न भागों से आठ 'बम जैसी सामग्री' बरामद की थी। मुख्यमंत्री ने बरुआ से आग्रह किया था कि वह ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल न हों जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ सकता हो, क्योंकि असम अगले 10 वर्षों में शक्तिशाली राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

फिल्म 'अवैध' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के ट्रेंडिंग स्टार खेसारीलाल यादव की नई फिल्म अवैध का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है. राजघराना फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी फिल्म अवैध के पोस्टर में खेसारीलाल यादव कट्टा बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म की कहानी के गंभीर और ग्राउंडेड टोन को दर्शाता है। फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा और निर्देशक नीरज रणधीर हैं, जबकि खेसारीलाल यादव के साथ अपर्णा मलिक इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। खेसारीलाल यादव ने फिल्म अवैध के फर्स्ट लुक को लेकर कहा कि यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि इसमें मेरा किरदार मेरी पिछली फिल्मों से पूरी तरह अलग है। इस फिल्म की कहानी समाज के कुछ ऐसे स्याह पहलुओं को उजागर करती है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज किया जाता है। फर्स्ट लुक में जो पोस्टर देखा जा रहा है, वह फिल्म के संघर्ष और सामाजिक असमानता की झलक दिखाता है। मेरे किरदार की यात्रा चुनौतीपूर्ण है और मुझे यकीन है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। फिल्म अवैध केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं है, बल्कि यह समाज में हो रहे अन्याय और शोषण के खिलाफ उठने वाली आवाज है। मैं इस फिल्म से दर्शकों के दिलों तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास करूंगा। खेसारीलाल ने फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और टीम के योगदान की भी सराहना की और कहा कि यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा में एक नया आयाम जोड़ने जा रही है।

फिल्म अवैध में खेसारीलाल यादव और अपर्णा मलिक के साथ यामिनी सिंह, समर्थ चतुर्वेदी, के.के. गोस्वामी, पदम सिंह, देव सिंह, महेश राजा, प्रेम दुबे, सैकत चटर्जी,मनीष आनंद,सोनू पाण्डेय और अंजना सिंह के साथ अन्य कई बड़े नाम शामिल हैं। फिल्म की पटकथा और संवाद प्रवीण चन्द्र और अभिषेक चौहान द्वारा लिखे गए हैं। संगीत बापी टूटूल, कृष्णा बेदर्दी और पप्पू श्रीवास्तव ने दिया है।

विक्रांत मैसी की 'द साबरमती रिपोर्ट' अब 15 नवंबर को रिलीज होगी

नई दिल्ली /एजेन्सी

एक्टर विक्रांत मैसी की आगामी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विक्रांत ने अपने इंस्टा हैंडल पर घोषणा की है कि फिल्म की नई रिलीज डेट 15 नवंबर है। उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया और इसे कैप्शन दिया, जलित वास्वत 15 नवंबर, 2024 को रिलीज होगी।

विक्रांत का अभिनय हमेशा यथार्थवादी भूमिकाओं के साथ रहा है। फिल्म '12वीं फेल' में विक्रांत ने आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा का किरदार निभाया था, जो दर्शकों के दिलों को छू गया। हाल ही में रिलीज हुई 'सेक्टर 36' में विक्रांत ने सच्ची कहानी पर आधारित किरदार निभाया है। दर्शक जल्द ही विक्रांत को सच्ची कहानी पर आधारित ऐसी ही एक और भूमिका में बड़े पर्दे पर देख पाएंगे।

यह फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' 2002 में गोधरा में हुए साबरमती एक्सप्रेस अग्निकांड पर आधारित है। फिल्म की रिलीज डेट पहले भी दो बार टाली जा चुकी है। पहले यह फिल्म मई में रिलीज होने वाली थी, फिर कहा गया कि यह फिल्म 2 अगस्त को रिलीज होगी। हालांकि, ये फिल्म अगस्त महीने में भी रिलीज नहीं हो पाई। अब विक्रांत मेसी ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान किया है।

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' का निर्देशन धीरज सरना ने किया है। फिल्म में 27 फरवरी, 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में हुई आग की घटना का विवरण दिया गया है। इस फिल्म में विक्रांत एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगे। विक्रांत के साथ राशि खन्ना एक रिपोर्टर की भूमिका निभाती हैं। साथ ही एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा निवेदिके के किरदार में नजर आएंगी।

फिल्म 'वेट्टैयन' से अमिताभ बच्चन का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की आने वाली फिल्म 'वेट्टैयन' से उनका लुक रिलीज हो गया है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेट्टैयन' में दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी अहम भूमिका है। अमिताभ और रजनीकांत ने अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। यह जोड़ी 33 साल के बाद साथ नजर आयेगी। फिल्म के निर्माताओं ने अमिताभ बच्चन की भूमिका के सबसे प्रतीक्षित किरदार पोस्टर का अनावरण कर दिया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक शक्तिशाली प्रोमो जारी किया, जिसमें अमिताभ को सत्यदेव के रूप में पेश किया गया है। अमिताभ को उनके सिग्नेचर कुर्ता और पश्मीना शॉल लुक में दिखाया गया है। एक शॉट में, अमिताभ को अपने दोस्त और को-स्टार रजनीकांत के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। एक अन्य शॉट में, वह पर्दे के पीछे एक स्क्रिप्ट को पढ़ते नजर आ रहे हैं। निर्माताओं ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'वेट्टैयन के पावरहाउस से मिलिए। श्रीबच्चन को सत्यदेव के रूप में पेश कर रहा हूं।

उनके अभूतपूर्व प्रदर्शन को देखने के लिए तैयार हो जाइए।' लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म वेट्टैयन में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा राणा दग्गुबाती फहद फाजिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य सितारे शामिल हैं। इस फिल्म में संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है। 'वेट्टैयन' 10 अक्तूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

जैकलीन फर्नांडीज का पहला गाना 'स्टॉर्मराइडर' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री एवं पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीज का पहला गाना 'स्टॉर्मराइडर' रिलीज़ हो गया है। 'स्टॉर्मराइडर' गाना अमृता सेन और रॉबिन ग्रुबर्ट द्वारा लिखा गया है और अमृता सेन, जेक जियोंग (फ्रिसन), सर्बन कैज़न, फीनोम और एलेक्स विंटर द्वारा निर्मित है।'स्टॉर्मराइडर' बनाने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, जैकलीन ने अपनी टीम द्वारा साझा किए गए एक नोट में कहा, जब मैंने संगीत में कदम रखा, तो यह मेरे लिये केवल गाना नहीं था, यह मेरी कहानी, भावनाओं और यात्रा को व्यक्त करने का एक जरिया है। संगीत ध्वनि से कहीं अधिक है; यह जुड़ाव और सशक्तिकरण के बारे में है। मैंने इस सिंगल पर लगभग एक साल काम किया है, वीडियो में अपने हर लुक की अवधारणा और परख की है और हर एक शक्तिशाली है, इसके पीछे गहरा अर्थ है। जैकलीन ने कहा,मेरा सिंगल स्टॉर्मराइडर मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह बदलाव को अपनाने, तूफान में ताकत खोजने और साहस और शालीनता के साथ जीवन की लहरों पर सवार होने का साधन है। मैंने इस ट्रैक को अपने दिल से गाय है और मैं अपने फैंस के साथ इस नये अध्याय का अनुभव करने का इंतजार नहीं कर सकती।

वेब सीरीज 'आदि शंकराचार्य' का पोस्टर हुआ लॉन्च

नई दिल्ली /एजेन्सी

भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की महागाथा 'आदि शंकराचार्य' का पोस्टर जारी कर दिया गया है। इस सीरीज को 'आर्ट ऑफ़ लिविंग' ने प्रस्तुत किया है। श्रीश्री पब्लिकेशन ट्रस्ट और ओएनएम मल्टीमीडिया ने इसे प्रोड्यूस किया है। इस भव्य सीरीज के लेखक और निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा हैं। सीरीज में हमारे राष्ट्र के सबसे बड़े महानायक श्री आदि शंकराचार्य के जीवन और कार्यों को भव्यता से चित्रित किया गया है जिन्होंने राष्ट्र के नव-निर्माण का कार्य करते हुए चारों दिशाओं में भारतवर्ष की सीमाओं को सुरक्षित किया था। सीरीज के पहले सीजन में कुल 10 एपिसोड हैं, जिसमें बालक श्री शंकर के जन्म से संन्यास तक की प्रमुख घटनाओं को दर्शक देख पाएंगे।

लेखक निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा ने टेलीविजन और फिल्मों के कई स्थापित कलाकारों के साथ इस कहानी को फिल्माया है। सीरीज में बालक आदि शंकराचार्य का किरदार अर्नव खानिजो निभा रहे हैं।

सोनी टीवी के शो यशोमति मैया में देवकी का किरदार निभाने वाली सुमन गुप्ता और जी टीवी के शो रामायण में राम का किरदार निभाने वाले गगन मलिक, संदीप मोहन, योगेश महाजन, कुणाल सिंह राजपूत और अरुण शेखर जैसे टेलीविजन और फ़िल्म के बड़े और स्थापित कलाकार इस सीरीज में नजर आएंगे। फिल्म गदर 2 में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाने वाले मनीष वाधवा भी इसमें प्रमुख किरदार में नजर आएंगे लेकिन उनका किरदार इस सीरीज के दूसरे सीजन में दर्शक देख पाएंगे।

वेब सीरीज 'आदि शंकराचार्य' के लेखक निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा बताते हैं, 'विश्व आज फिर धार्मिक उन्माद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, जातिवाद, अलगाववाद, अवसरवादिता, छल, कपट, धोखा, अविश्वास जैसी अनेकों समस्याओं से जूझ रहा है और श्री शंकर का अद्वैत दर्शन इन सभी समस्याओं का एकमात्र उत्तर है। आठवीं शताब्दी सामाजिक, राजनैतिक और आध्यात्मिक स्तर पर भारतवर्ष के लिए घोर अंधकार और पतन का युग था। अपने राष्ट्र धर्म और संस्कृति की ऐसी स्थिति को देख आठ वर्षीय बालक शंकर राष्ट्र के सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक उत्थान के लिए निकल पड़े।

सीरीज की शूटिंग बंगलौर और केरल के मनोरम लोकेशन के साथ ही मुंबई के स्टूडियोज में भी हुई है। 'आदि शंकराचार्य' वेब सीरीज के पहले सीजन को ओटीटी पर जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

'खानदानी' दुर्गा खोटे ने मजबूरी में तोड़ी परम्परा, प्रोफेशन से ज्यादा घर-बार से रहा प्यार

नई दिल्ली /एजेन्सी

आत्मकथाएं चुप्पी तोड़ती हैं। 'मी दुर्गा खोटे' ने ऐसी ही चुप्पी तोड़ी। दुर्गा खोटे कौन? 'मुगल ए आजम' की जोधाबाई, बेटों की बेरुखी की शिकार मां और उस दौर की ग्रेजुएट जब महिलाओं का बाहर निकलना भी असभ्य माना जाता था। 22 सितंबर 1991 को फिल्मी पर्दे पर अपनी अदायगी से रुलाने वाली मां दुनिया से रुखसत हो गई थीं। मराठी और हिंदी दोनों फिल्मों में खोटे ने अपना लोहा मनवाया। पति की मौत के बाद दो बच्चों की जिम्मेदारी कंधों पर थी तो स्वाभिमानी दुर्गा ने किसी के सामने हाथ फैलाने से बेहतर फिल्मों में काम करना ठीक समझा। पहली फिल्म ट्रैप्ड (फरेबी जाल) में छोटा सा किरदार निभाया। लोगों को पसंद नहीं आई और फ्लॉप रही। दुर्गा ने सोच लिया था कि अब तो काम नहीं करेंगी लेकिन फिर एक निर्माता निर्देशक की नजर पड़ी और किस्मत पलट गई। वो कोई और नहीं वी शांताराम थे। मराठी और हिंदी में बनी अयोध्या च राजा में दुर्गा को लिया और देखते ही देखते वो हिंदी सिनेमा का सितारा बन गईं। उसके बाद कभी पीछे मुड़ कर नहीं दिखा। फिल्म दर फिल्म कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई और पद्मश्री से लेकर दादा साहेब फाल्के की हकदार बनीं।

हिंदी फिल्मों की 'मां' का जन्म 14 जनवरी 1905 को महाराष्ट्र के कुलीन परिवार में हुआ। इनका असल नाम वीटा लाड था। संभ्रांत परिवार ने पढ़ाई पर पूरा ध्यान दिया नतीजतन वीटा ने ग्रेजुएशन तक की डिग्री हासिल की। इसके बाद शादी कर

दी गई। दो बच्चे हुए लेकिन किस्मत ने एक झटका यहीं दिया और पति चल बसे। ऐसे समय में ही फिल्मों का रुख किया। अपनी ऑटोबायोग्राफी में दुर्गा मैकेनिकल इंजीनियर पति खोटे की निश्चिंतता का भी जिक्र करती हैं। अपना दर्द बयां किया। परिवार और परम्पराओं में जकड़ी महिला का ये पंक्तियां बताती हैं कि शादीशुदा लाइफ में सब कुछ होने के बाद भी वो अकेली थीं। लिखती हैं- मैं समझ नहीं पा रही थी कि मिस्टर खोटे की दिशाहीन जीवनशैली पर कैसे और कहां रोक लगाऊं...उनकी बुरी आदतें और व्यसन बढ़ते जा रहे थे। वे जब चाहें दफ़्तर चले जाते थे। आवारा और चापलूसों की संगत बढ़ती जा रही थी। उन्हें घर, बच्चों या वित्तीय मामलों की कोई चिंता नहीं थी। उनका जीवन गैर-ज़िम्मेदाराना था।

खैर, दुर्गा ने सब कुछ सहा और मुस्कुरा कर जीवन जीती रहीं। बच्चों के लिए खुद को खड़ा किया। पहली बार कई ऐसे काम किए जिसने उस दौर में सबको दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। पहली ऐसी एक्टर बनीं जो किसी कॉन्ट्रैक्ट में नहीं बंधी, विभिन्न निर्माताओं के लिए काम किया, फिर एक फिल्म साथी को प्रोड्यूस ही नहीं किया बल्कि डायरेक्ट भी किया। ये करने वाली भी पहली फीमेल एक्टर थीं। इतना ही नहीं क्लासिक दौर की पहली एक्टर थी जो मर्सिडीज बेंज के विज्ञापन में दिखीं। मुस्कान हर दिल अजीज थी। हृषिकेश दा तो इन्हें अपना लकी चार्म तक कहते थे और इनके बेहद करीबा यार दोस्त डिम्पल नाम से पुकारते थे। एक बात और 80 के दशक में जब टीवी का दौर आया तो एक बड़े शो का निर्माण किया। ऐसा शो जो आम से जीवन की खास कहानी कहता था। सालों बाद वो नए कलेवर में भी दर्शकों के सामने आया और उसका नाम था वागले की दुनिया। दुर्गा खोटे में इस मंझी हुई कलाकार ने बहुत कुछ लिखा लेकिन केंद्र में रहा घर-बार-परिवार। इसमें ही लिखा था- मिशन तो बहुत हैं, लेकिन अब ताकत नहीं बची। उम्र 85 साल हो चुकी है।कुछ करने की हिम्मत नहीं रही। ख्वाहिशें तो बहुत हैं, लेकिन कुछ कर नहीं सकती।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि समय का चक्कर अविराम गति से निरन्तर चलता रहता है।

गांधीनगर तेरापंथ महिला मंडल ने आचार्यश्री महाश्रमण के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में 73 सदस्याओं ने सूरत में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी की निश्रा में अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने पंच दिवसीय चित्त समाधि संघ का आयोजन किया तथा आचार्यश्री के दर्शन किए। आचार्यश्री नेक हा कि चित्त समाधि एक अच्छा उपक्रम है और महिलाओं को आध्यात्मिक गतिविधियां, शनिवार की सामायिक में रुचि बढ़ाने के प्रेरणा दी। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने साध्वी श्री उदितयशाजी के सफल चातुर्मास की कामना की। साध्वीश्री संबुद्धयशाजी, मुख्य मुनि महावीरमुनिजी अपने विचार व्यक्त किए।

तेरापंथ महिला मंडल की मंत्री ज्योति संचेती ने अपने मंडल के कार्य की प्रस्तुति दी एवं केंद्र द्वारा निर्देश सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों की जानकारी देते हुए पर्युषण पर्व गतिविधियों के बारे में बताया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादिया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रमिला धोका, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, संयोजिका निर्मला सोलंकी, संतोष सोलंकी ने व्यवस्था संभाली।

संसार सागर से पार होने के लिए जिनवाणी का सहारा : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस तरह पारस का स्पर्श पाकर लोहा भी सोना बन जाता है, उसी तरह जिनवाणी का स्पर्श पाकर हम भी शुद्ध स्वर्ण जैसे खरे बन सकते हैं।

लोहे में जंग लगने के कारण इसका मोल कम है। जैसे मेहनत करने से लोहे को जंग से मुक्त किया जा सकता है वैसे ही हमें भी अपनी आत्मा को मान कषाय रुपी जंग से मुक्त करना है और सिद्ध गति की ओर कदम बढ़ाना है। हमारे अंतर मन में बाह्य पीड़ा और आंतरिक पीड़ा दोनों चलती रहती है उसे संयम, चारित्र और जिनवाणी से दूर कर सकते हैं। लवण समुद्र में भी खारे पानी के बीच एक मीठे पानी की धारा भी रहती ही है, हमें उसकी खोज करनी है और इसी तरह इस संसार से तिरने के लिए हमें जिनवाणी का सहारा लेना है। गुरुवर्याश्री द्वारा प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीजी के बचपन के नाम सोमचन्द्र के चारित्र का वांचन भी जारी है।

मानव जीवन में आत्मचिंतन, आत्ममनन व आत्मनिरीक्षण अति आवश्यकः साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि समय का चक्कर अविराम गति से निरन्तर चलता रहता है। जिस प्रकार एक फूटे हुए घड़े में से एक-एक बूंद रिस कर घड़े का पूरा पानी खाली हो जाता है वैसे ही मानव का जीवन भी प्रतिपल घटता जा रहा है। हमारी तमाम कोशिशों के बावजूद भी जीवन की क्षण भंगुरता अटल है। यह जीवन की अनिश्चितता नियति का एक फैसला है जिसे स्वीकारने के लिए हम साधन संपन्न होते हुए भी विवश है। हमें यह भी देखना होगा कि इस जन्म को पाकर भी कहीं हम अपना सारा जीवन अपने शरीर को सजाने संवारनें में ही तो व्यतीत नहीं कर रहे हैं। मानव मात्र शरीर के कार्यों में इतना उलझ जाता है कि वो आत्मा के कार्यों को भूला ही बैठता है। हमें आत्मचिंतन, आत्ममनन व आत्मनिरीक्षण करना परम आवश्यक है। आज के कलयुग में हंसते चेहरे कम रोते चेहरे ज्यादा नजर आएंगे। संसार में जितना भी जीयो प्रेम, प्यार, सहयोग और सेवा, परोपकार की भावना प्राणीमात्र के प्रति रखते हुए सदाचारयुक्त धर्ममय जीवन जीना चाहिए। काल का कोई भरोसा नहीं हैं।

साध्वी स्नेहप्रभाजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के पाचवें अध्ययन पर सविस्तार विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि अज्ञानी, मूढ़ जीव का अकाम मरण होता है और ज्ञानी, सत्पुरुषों का सकाम मरण-पंडित मरण होता है। जिसका इस संसार में जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित है। मगर उनकी मृत्यु मृत्यु होती है जिनकी प्रभु से लगन लग चुकी है। लेकिन जो संसार में आकर संसार के हो गए वो धोखे में हैं। क्योंकि जीवन का कोई भरोसा ठिकाना नहीं है। मरने की तो हर रोज हजारों और लाखों लोग मरते हैं मगर मरना उनका सफल होता है जो सकाम मरण व पंडित मरण को प्राप्त करते हैं। एक श्रावक के तीन मनोरथों में से एक मनोरथ होता है कि वो दिन धन्य होगा जिसमें मैं समस्त जीवों से क्षमायाचना करके संथारा ग्रहण करूंगा। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश धोका ने किया।

जैन संस्कृति की साधना ही आत्मभाव की साधना है : संतश्री विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन देते हुए विनयमुनिजी खींचन ने निशिध सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जैन संस्कृति की साधना आत्मभाव की साधना है। मनोविकारों के विजय की साधना है।

वीतराग प्ररुपित धर्म में साधना का शुद्ध लक्ष्य है, मनोगत विकारों को पराजित कर सर्वतो भावेन आत्मविजय की प्रतिष्ठा ही है। जैन धर्म सदैव से यही कहता आया है एक (आत्मा का अशुद्धभाव) के जीत लेने पर पांच इन्द्रियों पर जीत होती है, पांच को जीतने से दस की और दस को जीतने पर सभी शत्रुओं पर विजय हो जाती है। राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

केदारनाथ मंदिर तक जाने वाली सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के बाद रोकी गई तीर्थयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। केदारनाथ मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर जंगल चट्टी के निकट सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण शनिवार को तीर्थयात्रा रोक दी गई। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बताया कि केदारनाथ से लौट रहे तीर्थयात्रियों के साथ-साथ गौरीकुंड और सोनप्रयाग से मंदिर के लिए रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों को सड़क का 10-15 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के बाद रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के बाद मार्ग पर आवाजाही फिर से शुरू कर दी जाएगी।

एसपी ने बताया कि इस बीच केदारनाथ से लौटते समय फंसे तीर्थयात्रियों तथा मंदिर दर्शन के लिए गौरीकुंड और सोनप्रयाग में इंतजार कर रहे श्द्धालुओं को लाने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह सड़क टूटने की सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीम तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वहां पहुंच गईं।

कोंडे ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी भी वैकल्पिक मार्ग तैयार करने में मदद कर रहे हैं।

एसपी ने बताया कि जंगल चट्टी के पास पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त होने के बाद किसी भी तीर्थयात्री को सोनप्रयाग और गौरीकुंड से आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि जब वैकल्पिक मार्ग तैयार हो जाएगा तो सबसे पहले मंदिर से नीचे आने वाले तीर्थयात्रियों को निकाला जाएगा।

कोंडे ने कहा कि केदारनाथ पैदल जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने उनसे अनुरोध किया है कि वे जहां हैं वहीं रहें तथा सोनप्रयाग या गौरीकुंड की ओर न जाएं, जहां सुविधाएं सीमित हैं।

एसपी ने बताया कि उन्हें फाटा, गुप्तकाशी, रुद्रप्रयाग और श्रीनगर जैसे स्थानों पर रहने या पहले आसपास के अन्य स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि हवाई मार्ग से तीर्थयात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

अलगाववादी विद्रोहियों ने इंडोनेशिया में 19 महीने तक बंधक रहे न्यूजीलैंड के पायलट को मुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता। अशांत पापुआ क्षेत्र में एक वर्ष से अधिक समय से बंधक बनाकर रखे गए न्यूजीलैंड के पायलट को अलगाववादी विद्रोहियों ने मुक्त कर दिया है। इंडोनेशियाई प्राधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। 'कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स' के प्रवक्ता बायु सुसेनो ने बताया कि इंडोनेशियाई विमानन कंपनी 'सुसी एयर' के लिए काम करने वाले क्राइस्टचर्च के पायलट फिलिप मार्क मेहरटेंस को अलगाववादी विद्रोहियों ने मुक्त कर दिया और शनिवार सुबह 'टास्कफोर्स' को सौंप दिया। 'टास्कफोर्स' एक संयुक्त सुरक्षा बल है जिसे पापुआ में अलगाववादी समूहों से निपटने के लिए इंडोनेशिया सरकार ने स्थापित किया। सुसेनो ने कहा कि पायलट का स्वास्थ्य ठीक है। उन्होंने कहा कि मेहरटेंस को गहन स्वास्थ्य जांच के लिए तिमिका ले जाया गया।

'फ्री पापुआ मूवमेंट' के एक क्षेत्रीय कमांडर इगियानस कोगोया के नेतृत्व में विद्रोहियों ने सात फरवरी, 2023 को पारो के एक छोटे से रनवे पर एकल इंजन वाले विमान पर हमला कर दिया था और मेहरटेंस का अपहरण कर लिया था। कोगोया ने पहले कहा था कि विद्रोही मेहरटेंस को तब तक रिहा नहीं करेंगे जब तक कि इंडोनेशिया की सरकार पापुआ को एक संप्रभु देश बनने की अनुमति नहीं देती। बहरहाल, 'वेस्ट पापुआ लिबरेशन आर्मी' के नेताओं ने कहा कि वे मेहरटेंस को रिहा करेंगे। 'वेस्ट पापुआ लिबरेशन आर्मी' 'फ्री पापुआ मूवमेंट' की सशस्त्र शाखा है।

अभातेयुप के षष्टी वर्ष पूर्णाहुति पर विकास यात्रा पर हुआ 'मंथन' कार्यक्रम

तेयुप विजयनगर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभातेयुप के 60 साल बेमिसाल के अंतर्गत विजयनगर परिषद ने एक होटल में 'मंथन -कल आज और कल' का आयोजन किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन संस्थापक अध्यक्ष सुशील चौरड़िया ने किया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सबका स्वागत करते हुए विजयनगर के गौरवशाली अध्यक्ष एवं मंत्री परंपरा का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए तेयुप विजयनगर के गौरवशाली इतिहास पर आधारित वीडियो की प्रस्तुति दी। पूर्व अध्यक्ष एवं अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने मंथन बैठक के उद्देश्यों एवं प्रारूप की जानकारी प्रदान करते हुए परिषद को विकासशील बनने की प्रेरणा प्रदान देते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव रखे।

मुख्य कार्यक्रम में तेयुप पूर्व अध्यक्ष दिनेश मरोठी, अमित दक के संयोजन में परिषद के स्थाई आयाम एटीडीसी, आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकलस, प्रज्ञाकेंद्र, कंप्यूटर लैब, सेवा सारथी, आचार्य तुलसी सेवा केंद्र आदि प्रकल्पों, विषयों पर सृजनात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में संस्थापक अध्यक्ष सुशील चौरडिया ने काव्य पाठ कर उपस्थित युवाओं को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने तेयुप विजयनगर के गठन में तत्कालीन परिस्थितियों की जानकारी प्रदान की, परिषद को शून्य से शिखर तक की यात्रा का पूर्ण विवरण दिया। कार्यक्रम के संवाद, चर्चा, परिचर्चा में पूर्व अध्यक्ष राजेश चावत, राकेश दुधोडिया, महेंद्र टेबा, महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा, राकेश पोखरणा, मंत्री मनोज बैद, देवांग बैद, तेजमल मांडोत, तेयुप उपाध्यक्ष अशोक मारू, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर ने सक्रियता से भाग लिया। मंथन की परिचर्चा में संगठन को केंद्र में रखकर भविष्य को उज्ज्वल करते हुए विकास हेतु सारगर्भित चर्चा हुई। सभी अध्यक्ष व मंत्रियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री संजय भटेवरा द्वारा किया गया।

'एक देश, एक चुनाव' किफायती और शासन के अनुकूल है'

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'एक देश, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के फैसले को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए दावा किया कि यह कदम किफायती और शासन के अनुकूल होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था, जिनमें देशव्यापी आम सहमति बनाने की कवायद के बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री सावंत ने 'पीटीआई-भाषा' से शुक्रवार को कहा, ''मैं 'एक देश, एक चुनाव' के फैसले का स्वागत करता हूं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने अनुच्छेद 370 निरस्त करने समेत कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।'' उन्होंने कहा, ''बार-बार होने वाले चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू करने से शासन व्यवस्था प्रभावित होती है लेकिन पूरे भारत में एक ही समय में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव कराने से देश में बार-बार आचार सहिंता लागू करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सम्मान : बेंगलूरु के जय कर्नाटक संगठन द्वारा राजराजेश्वरीनगर में गणेश उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, शिक्षण सामग्री वितरण एवं अन्नदान का आयोजन किया गया। मुणोत ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का आभार व्यक्त किया। अन्नदान सेवा में सहयोग देने के लिए संगठन के अध्यक्ष किरणकुमार ने मुणोत का सम्मान किया।

वैज्ञानिकों ने माइक्रोप्लास्टिक पर 7,000 अध्ययनों का विश्लेषण किया, मानवता के लिए खतरे की घंटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वोलोंगोंग (ऑस्ट्रेलिया)।'साइंस' पत्रिका में 20 साल पहले एक शोधपत्र प्रकाशित हुआ था, जिसमें पर्यावरण में प्लास्टिक और फाइबर के सूक्ष्म कण इकट्ठा होने का खुलासा किया गया था। इसमें उक्त कणों को 'माइक्रोप्लास्टिक' नाम दिया गया था। इस शोध पत्र ने अनुसंधान के नए क्षेत्र की शुरुआत की। तब से लेकर अब तक 7,000 से अधिक अध्ययनों में पर्यावरण में, जंगली जानवरों में और मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी की पुष्टि की गई है। तो आखिरकार हमने क्या सीखा? शनिवार को प्रकाशित एक शोधपत्र में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक समूह ने माइक्रोप्लास्टिक के संबंध में अब तक ज्ञात तथ्यों का सार पेश किया है। इस समूह में मैं भी शामिल हूं।

संक्षिप्त में कहूं तो माइक्रोप्लास्टिक बड़े पैमाने पर फैले हुए हैं और इनके हमारे ग्रह के सुदूरतम हिस्सों में भी जमा होने के संकेत हैं। जैविक परिस्थितिकी तंत्र में हर स्तर पर-खाद्य शृंखला में सबसे निचले पायदान पर मौजूद छोटे कीड़ों से लेकर शीर्ष पर विराजमान शिकारी जीवों तक में, माइक्रोप्लास्टिक के जहरीले प्रभाव के प्रमाण मौजूद हैं। माइक्रोप्लास्टिक खान-पान के जरिये शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। मानव शरीर के हर भाग में इनकी मौजूदगी दर्ज की गई है। माइक्रोप्लास्टिक के दुष्प्रभावों को लेकर कई प्रमाण भी सामने आ रहे हैं। वैज्ञानिक साक्ष्य अब ज्यादा पुख्ता हो गए हैं कि माइक्रोप्लास्टिक की समस्या पहले कभी इतनी गंभीर नहीं रही है और इससे निपटने के लिए सामूहिक वैश्विक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है। अन्य उत्पादों में प्लास्टिक के बड़े कण टूटने से माइक्रोप्लास्टिक अनजाने में पैदा होता है। मिसाल के तौर पर, पॉलिस्टर की जैकेट धोने के दौरान उससे रेशे निकलते हैं।

प्लास्टिक के बड़े कण किस दर से टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में तब्दील होते हैं, विज्ञान अभी इसका आकलन नहीं कर पाया है। वैज्ञानिक यह भी पता लगाने की कोशिशों में जुटे हैं कि माइक्रोप्लास्टिक कितनी तेजी से टूटकर 'नैनोप्लास्टिक' का रूप अख्तियार करते हैं, जिनका आकार एक माइक्रॉन से कम होता है और जिन्हें नग्न आंखों से नहीं देखा जा सकता है।

उदाहरण के तौर पर, 2020 में प्रकाशित एक शोध में अनुमान लगाया गया था कि समुद्र में हर साल औसतन आठ लाख से 30 लाख टन माइक्रोप्लास्टिक पहुंचता है। और एक हालिया रिपोर्ट में पर्यावरण में समुद्र के मुकाबले तीन से दस गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक पहुंचने के संकेत दिए गए हैं। अगर यह अनुमान सही है कि तो इसका मतलब है कि हर साल कुल एक करोड़ से चार करोड़ टन माइक्रोप्लास्टिक समुद्र और पर्यावरण में पहुंचता है। चिंता का विषय यह है कि 2040 तक पर्यावरण में माइक्रोप्लास्टिक एकत्र होने की दर दोगुनी होने की आशंका है। अगर इंसान पर्यावरण में माइक्रोप्लास्टिक का प्रवाह रोक भी देता है, तो भी प्लास्टिक के बड़े कणों का टूटना जारी रहेगा। मछलियों, स्तनपायी जीवों, पक्षियों और कीड़ों सहित 1,300 से अधिक जीव-जंतुओं में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी दर्ज की गई है।

कुछ जानवर माइक्रोप्लास्टिक को भोजन समझकर उन्हें निगल लेते हैं, जिससे उनकी आंतों के अवरुद्ध होने सहित अन्य खतरे सामने आते हैं। जानवरों को तब भी नुकसान पहुंचता है, जब उनके शरीर में मौजूद प्लास्टिक कण रसायनों का स्राव करते हैं।

मानव शरीर में कैसे घुसते हैं

हम जो पानी पीते हैं, जो खाना खाते हैं और जिस हवा में सांस लेते हैं, उन सबमें माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। माइक्रोप्लास्टिक समुद्री आहार से लेकर नमक, शहद, चीनी, बीयर और चाय तक में मिले हैं। कभी-कभी पर्यावरण में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक खाद्य पदार्थ में मिल जाते हैं। तो कई मामलों में खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग और रख-रखाव के दौरान इनके अंश उनमें पहुंच जाते हैं। पशु उत्पाद, अनाज, फल, सब्जियां, पेय पदार्थ, मसाले और तेल में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी का पता लगाने के लिए और डेटा की जरूरत है।

खाद्य पदार्थों में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता व्यापक रूप से अलग होती है। इसका मतलब है कि दुनियाभर के मनुष्यों में जोखिम का स्तर समान नहीं होता है। हालांकि, इंसान के हर हफ्ते एक क्रेडिट कार्ड के बराबर प्लास्टिक निगलने जैसे अनुमान हकीकत से बहुत परे हैं। वैज्ञानिकों ने मनुष्य के फेफड़ों, लिवर, किडनी, खून और प्रजनन अंगों में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी दर्ज की है। ये कण हमारे मस्तिष्क और हृदय में भी पाए गए हैं।

संयम से ही मन, वचन और काया पर नियंत्रण संभव : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में दैनिक प्रवचन में राजेशमुनिजी ने आत्म कल्याण के लक्षणों की विवेचना करते हुए कहा कि सदैव सत्य की राह पर चलकर ही जीवन को सुंदर बनाया जा सकता है। सत्य का संबंध दिल से और झूठ का संबंध दिमाग से होता है। मुनिश्री ने कहा कि हमारे जीवन की चाबी संयम के हाथ में होनी चाहिए।

संयम से ही मन, वचन और काया पर नियंत्रण रखते हुए जीवन को अर्थपूर्ण बनाया जा सकता है। संयम से जीवन जिएंगे तो हमारी आत्मा का कल्याण होगा। इस संसार सागर को पार करने के लिए हमें जिनवाणी रूपी नौका का सहारा लेना चाहिए। मर्द वह होता है जिसकी बात में वजन हो और स्त्री वह होती है जिसकी आंख में शर्म होती है। मुनि ने कहा कि जिसे वर्तमान में जीना सीख लिया समझिए उसे जीवन जीने की अकल आ गई। इस मौके पर ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com